तापमान
अधिकतम 29.8 डिग्री
न्यूनतम 09.2 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 14 दिसंबर 2024

10 स्वच्छता पखवाड़ा : श्रमदान कर की गई रेवा तालाब की सफाई

11 भोथली शा.स्कूल को नवाचार से मिली नई पहचानः सरपंच सुरेश

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

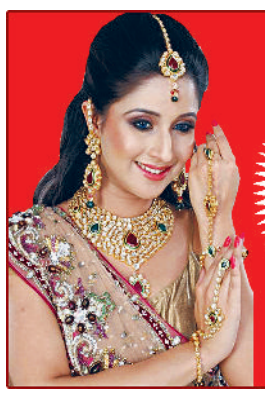
न्यू ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
• मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें • जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

कुम्हारी टोल हटाने तीन दिनों से दे रहे धरना

भिलाई। लंबे समय से कुम्हारी टोल नाके की वसूली चल रही है। इसके अलावा जिले के सीजी 7 वाहनों से भी टोल वसूली जा रही है। कुम्हारी टोल नाका हटाने सीजी 07 की गाडियों को टोल फ्री करने समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर तीसरे दिन छग जन अधिकार मोर्चा ने भिलाई-3 सिरसा गेट के पास धरना दिया। संयोजक त्रिभुवन मिश्रा ने बताया कि भाजपा कांग्रेस के दर्जनों पार्षद, सांसद प्रतिनिधि विपिन चन्द्रकार वरूण यादव समेत बसपा, स्वराजदल के सैकड़ों लोगों ने धरना का समर्थन दिया है। धरने में प्रदेश अध्यक्ष रिंकु मनोज गुप्ता, प्रदेश कार्यवाहक पावन मिश्रा, पी राजा, प्रेम सोलंकी, बृजेश्वरी मिश्रा, द्वारिका देवागंन, नंदु देवागंन खिलावन साहु, राबर्ट, ऐरिक डनवेल, अभिषेक गुप्ता, रवि गुप्ता, मो वकील खान, विरेन्द्र चौधरी आदि धरने में बैठे रहे। आंदोलन अभी जारी रहेगा।

सड़क हादसे में दो की मौत

भिलाई। दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि नंदिनी पावर हाउस रोड में एड मास्को कंपनी के सामने ग्राम बीरेभाट में बाइक सवार को ट्रक चालक ने जोरदार ठोकर मार दी। घटना में मिलन चौक कैंप निवासी सोनू तारे 35 वर्ष का मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना ग्राम सेमरिया नंदिनी के पास दो बाइक आपस में टकराने से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। मृतक युवक का नाम सुरेश कुमार सेमरिया का रहने वाला है।

कार में लगी आग फायर ब्रिगेड ने बुझाया

भिलाई। ढाबा के पास खड़ी कार में अज्ञात ने आग लगाने का मामला सामने आया है। जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग पर मशक्कत कर काबू पाया। घटना दुर्ग स्थित रसमड़ा की है। मिली जानकारी के मुताबिक कार सीजी 11 बीजी 4714 है। आग बुझाने अग्निशमन दल प्रभारी महेन्द्र कुमार चंदेल, अग्निशमन कर्मी अवतार सिंह, रमेश , भीषम , भोपेश कुमार पहुंचे थे।

लापरवाही : स्टॉफ नर्स ने डॉक्टर की इजाजत बिना बच्चे को देखने से किया इंकार

निकुम सामुदायिक अस्पताल में नहीं मिले डॉक्टर, सप्ताहभर में दो बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

निकुम में इलाज नहीं मिलने से दो बच्चों की मौत हो गई। सप्ताहभर में दो बच्चों की मौत होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। पहले निकुम के पास के ही गांव की 7 साल की बच्ची की मौत हुई थी और अब एक चार साल के बच्चे की मौत इलाज नहीं मिलने से हो गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में इन दोनों बच्चों को इलाज के लिए लाया गया था। लेकिन डॉक्टर नहीं होने की वजह से इलाज नहीं मिल पाया और यह घटना हो गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में विधायक ललित चंद्राकर पिछले दिनों आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान स्थानीय लोगों के साथ बैठक लेते हुए।

बच्चे की मौत के बाद हंगामा

निकुम निवासी दुर्गा निर्मलकर के चार साल के बेटे को तीन दिन पहले पेट दर्द की शिकायत हुई। निर्मलकर अपने बेटे को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम पहुंचे थे लेकिन इलाज नहीं मिलने की वजह से उसकी मौत हो गई। दूसरे दिन जीवनदीप समिति की बैठक भी हुई। इस बैठक में बच्चे की मौत और डॉक्टर की लगातार नदारद रहने का मामला उठा। उसके बाद भी कोई कार्रवाई अब तक नहीं हो पाई है। अस्पताल में भी ग्रामीणों ने हंगामा किया लेकिन मामला दबा दिया गया।

10 साल से ढर्रे पर चल रहा अस्पताल

निकुम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दस साल से ढ़र्रे पर चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पदस्थ डॉक्टर अपनी सुविधा के हिसाब से आते और चले जाते हैं। डॉक्टरों की ऐसी लापरवाही की शिकायत भी जनप्रतिनिधि कर चुके हैं लेकिन डॉक्टरों का प्रभाव ही ऐसा है कि न कार्रवाई होती है और न ही स्थानातंरण। जिसकी वजह से इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ग्रामीणों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है। क्षेत्र के निजी अस्पताल, सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की वजह से फल-फूल रहा है।

जांच कर दोषी डॉक्टर पर हो कार्रवाई

पिछले एक सप्ताह के भीतर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में दो बच्चों की जान सिर्फ इसलिए चली गई कि उन्हे इलाज नहीं मिला। दोनों बच्चों के लिए यहां डॉक्टर ही नहीं थे। इसलिए स्टॉफ ने इलाज नहीं किया। डॉ. संजीव शुक्ला महीने में केवल गिने-चुने दिन आते हैं। उनका बहाना रहता है कि मैं पीएम ड्यूटी या दौरे पर रहता हूं। मामले की जांच कर दोषी डॉक्टर पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं।

-रूपेश देशमुख, जनपद सदस्य दुर्ग

नोटिस दिया है डॉक्टर को

बच्चे की मौत के मामले में डॉक्टर को हमने नोटिस दिया है। नोटिस के बाद ही आगे की कार्रवाई तय करेंगे।

-डॉ. मनोज दानी, सीएमएचओ दुर्ग

सुविधाएं बढ़ीं लेकिन मरीजों की दिक्कतें नहीं सुलझीं

ग्रामीणों ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में सरकार ने सुविधाएं बढ़ा दी है। यहां सिजेरियन आपरेशन की शुरू की गई है। एबुलेंस, सोनोग्राफी जैसी सुविधाए बढ़ी है। अस्पताल परिसर में जन औषधि केंद्र शुरू किया गया है। जिससे आमजन को सस्ती और गुणवत्ता युक्त दवाइयों की उपलब्ध हो रही है। यह केंद्र स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम जरूर उठाए गए हैं लेकिन दिक्कत केवल डॉक्टरों को लेकर है। डॉक्टर होने के बावजूद मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि दिन मेंही डॉक्टर अपने कक्ष में नहीं बैठते। कई दिनों तक नहीं आते। इसलिए मरीजों का यह केवल रेफलर सेंटर बनकर रह गया है। बीएमओ डॉ. डीके बेलचंदन हैं।

इन दो घटनाओं से आक्रोश

केस पहला
पेट दर्द से परेशान बच्चे को लौटाया स्टॉफ ने

निकुम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बच्चे को इलाज के लिए रात 11.30 बजे लाया गया था। बच्चा पेट दर्द से बेहाल था। रात ड्यूटी डॉ. संजीव शुक्ला की थी। डॉ. शुक्ला अस्पताल में नहीं थे। नर्स ने बिना डॉक्टर के इजाजत बच्चे को हाथ लगाने से इंकार कर दिया। परिजन बच्चे को एक स्थानीय निजी अस्पताल लेकर गए लेकिन वहां भी बच्चे का इलाज नहीं किया गया। आखिरकार परिजन बच्चे को रात में घर लेकर आए और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

केस दूसरा
सात साल की बच्ची को भी नहीं मिला इलाज

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में सप्ताहभर पहले एक 7 साल की बच्ची की मौत हुई थी। इस बच्ची को पास के ही गांव से इलाज के लिए लाया गया था। यहां डॉक्टरों की गैरहाजिरी की वजह से मरीजों को आकस्मिक इलाज नहीं मिल पा रहा है। निकुम का यह अस्पताल दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत आता है। यहां सुविधाएं तो सरकार ने मुहैया करवाई है लेकिन डॉक्टर अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं निभा रहे।

बांग्लादेशी घुसपैठ की आशंका हथखोज बस्ती पहुंची पुलिस

लोगों से पूछताछ करती पुलिस।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बांग्लादेशी नागरिक होने की आशंका से भिलाई-3 थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र हथखोज की नई बस्ती में पुलिस दबिश दिया। जहां पांच थानों की बल के साथ बस्ती में रहने वाले एक एक नागरिक का जांच किया गया।

इस दौरान किसी भी घर से कोई भी अवैध हथियार वगैरह नहीं मिल पाया है। वहीं 21 संदिग्धो को पूछताछ के लिए भिलाई-3 थाना लाया गया है। औद्योगिक क्षेत्र हथखोज की नई बस्ती में रहवासियों की पहचान के लिए शुक्रवार सुबह से वेरिफिकेशन शुरु किया गया। संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए भिलाई-3 थाने ले जाया गया है। इस दौरान एएसपी सुखनंदन राठौर, भिलाई -चरोदा निगम आयुक्त डीएस राजपूत, तहसीलदार समेत पांच थाना जामुल, छावनी, खुर्सीपार, भिलाई-3 एवं कुम्हारी का पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस औचक कार्रवाई को कुछ दिन पहले प्रदेश के गृहमंत्री, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के दुर्ग में दिए गए उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। जिसमें उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने अभियान चलाने की बात कही थी। भिलाई चरोदा नगर निगम क्षेत्र के हथखोज वार्ड में औद्योगिक विकास निगम की खाली जमीन पर एक नई बस्ती बस गई है। इस बस्ती में रहने वाले ज्यादातर परिवार बांग्लाभाषी और धर्म विशेष से ताल्लुक रखने वाले हैं। इस वजह से बस्ती के ज्यादातर लोगों पर बांग्लादेशी घुसपैठी होने की आशंका स्थानीय नागरिक जताते रहे हैं। वैसे यह बस्ती पुरी तरह से एकाएक आबाद नहीं हुई, बल्कि धीरे-धीरे लोग बाहर से आकर यहां अवैध कब्जा कर बसने लगे।

कुछ संदिग्धों की जांच भी

एएसपी शहर सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस के द्वारा जिला और नगर निगम प्रशासन के साथ हथखोज औद्योगिक एरिया की नई बस्ती में बाहरी लोगों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए पार्षद एवं वहां के निवासियों से वेरिफिकेशन करने के लिए कहा गया था। लोगों के द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसके कारण सुबह के करीब पुलिस टीम ने यहां पहुंचकर लोगों की पहचान हेतु प्रमाणिक दस्तावेज की जांच का अभियान चलाया। इस दौरान लोगों के पास स्थानीय और बाहर के आधार कार्ड मिले हैं। पूछताछ में पता चला है कि लोग चार साल, दो साल और छह महीने पहले आकर बस्ती में रह रहे हैं। कुछ लोगों की पहचान संदिग्ध नजर आ रही है।

खुरसुल में फांसी में झूलते मिली युवक की लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निकुम

राजनांदगांव पारा अंजोरा निवासी मिथलेश यादव (32 वर्ष) की लाश फांसी में झूलते में मिली है। अर्जुन्दा थाना अंतर्गत ग्राम खुरसुल-निकुम

■ हत्या की आशंका

मुख्य मार्ग पर बरगद के पेड़ में मिथलेश का शव लटका हुआ था। उसने चप्पल पहने हुए थे। दोनों हाथ गम्छे से कसकर बंधा हुआ था। इतना ही नहीं घटना स्थल के करीब ही शराब की बोतल, डिस्पोजल और चखना पड़ा मिला है। इसके आधार पर हत्या का संदेह जाहिर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है। घटना की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि मृतक मिथलेश अविवाहित था। पेशे से ड्राइवर था। वह अंजोरा से 17 किमी दूर बालोद जिले के खुरसुल क्यों गया था, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। घटना स्थल पर ही मृतक की मोटर साइकिल सीजी 07 एल 2683 खड़ी थी।

इससे पहले 3 दिसम्बर को खुरसुनी में रेखदास के फार्म में लाखो रुपये के चैन हारवेस्टर मशीन जलकर खाक हो गई थी। अज्ञात ने उसमें आग लगा थी। अब तक आरोपियों के बारे में पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों की मानें तो पिछले कुछ समय से क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं बढ़ गई है। पुलिस की नियमित गश्त नहीं होने से नशाखोरी बढ़ रही है। संदिग्धों की आवाजाही बढ़ी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत...

भिलाई। माता कौशल्या की पुण्यभूमि, प्रभु श्रीराम के ननिहाल और छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण एवं रसायन और उर्वरक मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आगमन हुआ। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने उनका अभिनंदन किया। स्वागत के साथ आत्मीय मुलाकात की। साथ ही अपने विधानसभा क्षेत्र और प्रदेश की राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी दी।

शहरी आजीविका मिशन कार्य में भिलाई निगम प्रदेश में अव्वल

भिलाई क्षेत्र के 2.50 लाख महिलाओं का जीवन स्तर बना बेहतर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाईवासियों के लिए शुक्रवार का दिन एक गौरवपूर्ण रहा है। शहरी अजीविका मिशन के कार्यो के जरिए महिलाओं और लोगों की जीवन को बेहतर बनाने के लिए भिलाई नगरनिगम को चार पुरस्कार मिले हैं। यह पुरस्कार इसलिए दिया गया है कि भिलाई निगम ने क्षेत्र की 2011 की जनगणना के अनुसार 2,50,413 महिलाओं को प्रेरित कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाया। स्ट्रीट वेंडरों और उनके परिवारों की दशा सुधारी। शहरी आश्रय स्थली के कार्य में भिलाई निगम को प्रथम स्थान मिला है। सामाजिक गतिशिलता एवं संस्थागत विकास के लिए द्वितीय स्थान मिला। उत्कृष्टता के क्षेत्र में पीएम स्वनिधि योजना एवं पीएम स्वनिधि से समृद्वि योजना के लिए उत्कृष्ट पुरूकार से भिलाई निगम को सम्मानित किया गया है। अलग-अलग क्षेत्र में कुल चार पुरस्कार मिले।

आयुक्त राजीव व टीम को सीएम ने किया सम्मानित

वर्तमान में नगर निगम भिलाई में 3 मिशन मैनेजर, 23 सीओ, लगभग 4000 महिला समूह कार्यरत है। जिनके माध्यम से निगम भिलाई के द्वारा किए जा रहे कार्यो को शहरी आजीविका मिशन के मापदंडों के अनुरूप होने के कारण सभी नगर निगम से बेहतर पाए जाने में प्रथम पुरूस्कार से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सम्मानित किया गया। इसी निगम भिलाई अजीविका के क्षेत्र में कार्य की गतिशीलता एवं अच्छे संचालन के लिए बेहतर रहा है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल इस उपलब्धि के लिए शहरी आजीविका मिशन के पूरे टीम को बधाई दी। सम्मान प्राप्त करने के लिए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, मिशन मैनेजर अमन पटले, नलनी तनेजा, एकता शर्मा मौजूद रहे।

ऐसे कार्यों से मिले ये चार पुरस्कार

पहला
भिलाई निगम क्षेत्र में पांच शहरी आश्रय स्थली हैं। ये आश्रय स्थली 300 बिस्तर के हैं। यहां बेघर महिलाओं को आश्रय दिया जाता है। यहां रहकर ये महिलाएं अपना जीविकोपार्जन करती है। यहां उन महिलाओं को भी शरण मिल जाता है जो दीगर स्थानों से यहां आते हैं और रात होने की वजह से वे अपने घर नहीं जा पाती। मुफ्त में रहने, खाने -पीने की सुविधा दी जाती है। भिलाई के प्रियदर्शनी परिसर, आमोदभवन जोन दो, नेहरूभवन , वैशालीनगर पानी टंकी और सब्जी मार्केट सुपेला में ये आश्रय स्थली हैं।

दूसरा
एसएमआईडी के तहत महिला स्वसहायता समूहों का गठन किया गया। करीब 4 हजार महिला स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हो रहे हैं। 10 हजार लोगों को स्वयं का व्यवसाय अपनाने के लिए प्रशिक्षण दिए। विभिन्न योजनाओं से जोड़ा। बैंकों से मिले लोन को किस तरह यूटीलाइज करें कि बचत हो और आमदनी मिले इसके लिए भी ट्रेनिंग दी। मुरूकु, आचार, पापड़, सिलाई, कढ़ाई आदि का प्रशिक्षण देकर स्वालंबी बनाया।

तीसराः पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडरों को 10-10 हजार दिए गए। भिलाई क्षेत्र के 18 हजार स्ट्रीट वेंडरों के व्यवसाय को आगे बढ़ाया गया। तीन स्तर पर व्यवसाय बढ़ाने के लिए सहायता राशि दी गई। मसलन पहले स्तर पर 10 हजार प्रति वेंडर को दिए गए। दूसरे स्तर पर 20 हजार और तीसरे स्तर पर 50 हजार रुपए तक आर्थिक सहायता दी गई।

चौथाः पीएम स्वनिधि योजना से समृद्धि योजना का भिलाई निगम ने बेहतर तरीके से चलाया। इस योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडरों के परिवार और उन्हे 9 तरह की योजनाओं से जोड़ा और 25 हजार 194 लोगों को लाभ पहुंचाया। जिसमें पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम जनधन योजना, पीएम श्रमयोगी मानधन योजन आदि शामिल हैं।

रेलवे कॉलोनी की भी सफाई अब निगम करेगा

भिलाई। नपानिभि-चरोदा के साथ रेलवे प्रबंधन चरौदा ईकाई ने अनुबंध किया है। रेलवे आवासीय कालोनी से निकलने वाले कचरे के निष्पादन के लिए आपसी सहमति बनाई गई। आयुक्त कक्ष में अनुबंध निगम प्रशासन और रेलवे प्रबंधन का किया गया। निगम आयुक्त डीएस राजपूत के साथ रेलवे प्रशासन के प्रतिनिधियों द्वारा द्विपक्षीय वार्ता उपरांत अनुबंध कर भविष्य में मिलकर कार्य करने की सहमति दी। इस दौरान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी अश्विनी चन्द्राकर, चरोदा रेलवे मंडल से अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ एबी केरकेटा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी शुभाशीष सरकार, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी दीपक सोनी, कार्यालय अधीक्षक विनोद मंडल मौजूद रहे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

खबर संक्षेप

गंदगी फैलाने वालों पर लगाया गया जुर्माना

दुर्ग। स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 8 तकिया पारा में निरीक्षण के दौरान चाय दुकानदार द्वारा नाली व सड़क पर गंदगी फ़ैलाने के कारण 500-500 जुर्माने की कार्रवाही की गई। साथ ही वार्ड 7 लुचकी तालाब किनारे कचरा फैलाने पर उन पर भी जुर्माने की कार्रवाही की गई। कार्रवाही के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सफाई दरोगा सुरेश भारती, परम सहित टीम मौजूद थे। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को लेकर अभियान चला रहा है। शुक्रवार को निगम अमले ने शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए गंदगी फैलाने वाले 4 दुकानदारों का चालान काटकर जुर्माना लगाया। कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर के वार्ड क्रमांक 7 व 8 सहित अन्य क्षेत्रों में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। गंदगी फैलाने वाले पांच दुकानदारों पर जुर्माना लगाया।

आवास आवंटन के लिए 26 तक मंगाई दावा-आपत्ति

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर मकान मोर आस के घटक में नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रांतर्गत निर्मित आवासों में विभिन्न परियोजना स्थल सरस्वती नगर, गणपति विहार बोरसी, गोकुल नगर, माँ कर्मा बोरसी अंतर्गत निर्मित निर्माणाधीन आवासों के आबंटन के लिए किराए पर रहने वाले परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों से आवेदन मंगाए गए। बताया गया है कि उक्त स्थलों पर आवास के लिए आवेदन आए हैं। आवेदनों की सूची दावा-आपत्ति के लिए नगर निगम मुख्यालय एवं डाटा सेंटर के प्रधानमंत्री आवास कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। इस पर 12 से 26 दिसंबर तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी दावा.आपत्ति मान्य नहीं होगी।

कव्वाली का मुकाबला 16 को होगा उरला में

दुर्ग। डॉ अंबेडकर नगर विकास समिति एवं भीम ज्योति महिला समिति द्वारा राज्य स्तरीय बुद्ध मेला एवं बुद्ध विहार का 13 वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 16 दिसंबर को डॉ अंबेडकर नगर उरला वार्ड नंबर 58 में मनाया जाएगा। इस अवसर पर परित्राणां पाठ , धम्मदेशना के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रात्रि में बुद्ध भीम गीतों पर आधारित कव्वाली का जंगी मुकाबला होगा, जिसमें राष्ट्रीय गायक कव्वाल उमेश बागड़े नागपुर महाराष्ट्र व राष्ट्रीय गायिका कवाल्ला वैशाली किरण मुंबई महाराष्ट्र द्वारा कव्वाली प्रस्तुत किया जाएगा। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष जितेंद्र मडामें ने दी।

तीन सौ पंचायत में पौने पांच लाख से अधिक मतदाता करेंगे वोटिंग

जिला निर्वाचन आयोग ने किया मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिला निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया हैं। प्रारंभिक प्रकाशन के डेढ माह में पांच हजार से अधिक मतदाताओं की संख्या बढ गई है। सामने आए आंकडों के अनुसार जिले के तीन सौ ग्राम पंचायत के 4744 वार्ड में 4 लाख 88 हजार 845 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेगें।

बहरहाल जिला निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय और शुक्रवार को पंचायतों के मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया हैं। वही आगामी 17 दिसंबर को जिला पंचायत, जनपद और पंचायतों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आरक्षण के बाद आचार संहिता प्रभावी होने की चर्चा हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर गांव में चुनावी जमघट में अब दिखने लगी हैं। आरक्षण के बाद अब दावेदारों की भी नाम खुलकर सामने आएंगे। फिलहाल आरक्षण को लेकर लोगों की नजर जमी हुई हैं। इस प्रक्रिया के निपटने के बाद सीटों के लिए जोर आजमाईश भी शुरू हो जाएगी।

खास बातें

- आगामी 17 दिसंबर को जिला, जनपद में होंगे आरक्षण
- तेरह दिसंबर को औपचारिक अंतिम प्रकाशन

पंचायत में भी महिलाओं का दबदबा

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के आंकडों में पुरूष से ज्यादा महिला मतदाताओं की संख्या हैं। पुरूष मतदाता 2 लाख 43 हजार 521 हैं, वही महिला 2 लाख 45 हजार 319 हैं। इस तरह पुरूषों के मुकाबले 1798 महिला मतदाता अधिक हैं। इसी तरह 6945 महिलाएं निकाय चुनाव में अधिक हैं। दुर्ग जनपद में पुरूष 78965 महिला 80105 धमधा जनपद में पुरूष 82215 महिला 81123 पाटन जनपद में पुरूष 82341 महिला 84091 हैं। जिसमें 5293 महिला अधिक हैं।

प्रशासनिक तैयारी निरस अफसर भी ठंडे

निकाय चुनाव के अंतिम प्रकाशन की सूचना प्रशासन द्वारा सार्वजनिक नही की गई, वही पंचायत चुनाव के लिए भी देर रात प्रशासन द्वारा कोई रिलिज जारी नही की गई। चुनाव को लेकर प्रशासनिक अधिकारी गंभीर नही दिख रहे हैं। हालात यह है कि, छोटे अधिकारियों के कंधे ही जिम्मेदारी हैं। सूत्रों की माने तो कर्मचारियों को बडे अधिकारियों द्वारा कोई मार्गदर्शन भी नही दिया जा रहा हैं। इधर जनप्रनिधियों को भी जानकारी जूटाने ऐडी चोटी की जोर लगानी पड रही हैं। इस तरह अफसरों का भरी ठंडी में ठंडा होना समझ से परे हैं।

परेशानी : जिले में धान का उठाव नहीं होने से किसानों में पनप रहा आक्रोश

अव्यवस्था से फूटा किसानों का गुस्सा अफसरों से पूछा, कहां रखेंगे धान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिले में धान खरीदी की व्यवस्था प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ गई हैं। जिले में आधा दर्जन से अधिक उपार्जन केन्द्र में टोकन जारी किए जाने के बाद भी किसान धान नही बेच पा रहे हैं। इस अव्यवस्था से हताश किसानों का सब्र टूट गया। शुक्रवार को सैकडों किसान कलेक्टोरेट पहुंचकर अपनी पीडा बताई हैं। उन्होने अफसरों को पूछा उनके पास धान रखने की जगह नही हैं, ऐसे में वे कहां रखे। उन्होने चेतावनी दी हैं कि, अगर खरीदी शुरू नही हुई तो वे धान को कलेक्टोरेट में सुपुर्द कर देगें।

सोमवार से खरीदी शुरू नही होने पर अपनी उपज को किसान कलेक्टोरेट में सुपुर्द करने की बात कही हैं। नगपुरा, भेंडसर, दमोदा, डांडेसरा, बोरई, गनियारी, रसमडा, मालुद, बेलौदी और कोटनी के सैकडों किसान कलेक्टोरेट पहुंचे थे। किसानों ने बताया कि, पिछले तीन दिन से यहां धान खरीदी बंद हैं। टोकन जारी कर दिया गया है, लेकिन खरीदी नही होने से टोकन निरस्त कर दिया गया हैं। जिले के 102 सोसायटी में स्थिति बेहद खराब हैं। जिले के 102 केन्द्रों में 23 लाख क्विंटल से अधिक धान जाम हो चुका हैं। उठाव के लिए न राज्य शासन गंभीर है और न ही जिला प्रशासन द्वारा संग्रहण केन्द्रों में उठाव कराया जा रहा हैं। यही कारण हैं कि, अब जिले में लगातार सोसायटियो में खरीदी बंद हो रही हैं। आगामी दिनों किसान बडी संख्या में प्रभावित होगें। इस दौरान जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेश देशमुख, टेकराम देशमुख, किशोर घुघवारे, करण पारकर, खिलेश यादव, आनंद देशमुख, चंद्रकांत साहू, विनोद देशमुख, रूपेश देशलहरे, घासी देशमु, गजेन्द्र साहू सहित अन्य किसान थे।

टोकन जारी होने के बाद लगातार निरस्त होने से किसान परेशान

फैक्ट फाइल

- पंजीकृत 114779 किसान, खरीदी 50655 से 23 लाख 14 हजार क्विंटल।
- जिले के 102 केन्द्र में 96 में बफर लिमिट पार, रखने की जगह नहीं।
- आधा दर्जन केन्द्रों में खरीदी हो चुकी बंद, किसान परेशान ।

मिलर हडताल पर, आगे बढ़ेगी जिले में परेशानी

राज्य शासन और मिलरों के बीच अब तक सुलह नही हुआ हैं। जिला राईस मिल एसोसिएशन के संरक्षक रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि, मिलर आगामी बीस दिसंबर तक आंदोलन पर चले गए हैं। ऐसे में अभी नगपुरा, दमोदा, सांकरा, कन्हारपुरी, भेंडसर, ढोढकी में खरीदी बंद हो चुकी हैं, इसकी संख्या आगे और भी बढेगी। क्योकि केन्द्रों कई केद्रों में खरीदी हो रही है। लेकिन उठाव नही होने से धान रखने की समस्या आ रही हैं। सोसायटी प्रबंधको ने ढाई माह में टोटल खरीदी करने आंकडा तैयार किया था। लेकिन बंद के चलते पूरी तैयारी बिगड गई हैं।

नहीं खोला गया आधा दर्जन संग्रहण केन्द्र

जिले में जेवरा, कोडिया, अरसनारा, बासीन, सेलूद संग्रहण केन्द्र हैं। इन केन्द्रो में अगर धान रखा जाए तो वर्तमान में राहत मिल सकती है। जिले में 23 लाख क्विंटल की खरीदी हो चुकी है। अगर इन संग्रहण केन्द्रों में ट्रांसपोर्टरों से उठाव कराए जाए तो खरीदी का आधा धान रखा जा सकता हैं। लेकिन प्रशासन द्वारा ट्रांसपोर्टरों से भी उठाव नही कराया जा रहा हैं। इधर मिलर ने हाथ खडे कर दिए हैं। जबकि अभी पंजीकृत किसानों में आधे ने भी धान नही बेचा हैं।

रखने की जगह नहीं

खेमलाल देवांगन ने कहा धान की मिंजाई के बाद बेचने का इंतजार कर रहे थे। टोकन जिस तिथि का मिला वहां आज खरीदी बंद हो गई हैं। धान रखने घर में जगह नही है। क्या करे।

नुकसान हो रहा

अंकालू निषाद ने कहा धान को चूहे चट कर रहे हैं। हम छोटे किसान हैं। हमें दो बार ही टोकन दिया जाएगा। लेकिन खरीदी बंद होने से टोकन भी निरस्त हो गया हैं।

नहीं समझ रहे पीड़ा

सरकार की उदासीनता स्पष्ट है।

किसानों के अधिकारों के लिए हम कांग्रेस पार्टी के झंडे तले इस आंदोलन को तेज करेंगे। भाजपा को किसानों की पीडा महसूस नही हो रही हैं।

-राजेंद्र साहू, प्रदेश महामंत्री

अस्पताल में भर्ती नहीं ली नकदी देकर कराया इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

- परिजन वापस लौटे, निजी अस्पताल में कराया भर्ती

गुंडरदेही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से रिफर होकर जिला अस्पताल भेजे गए मरीज को भर्ती करने के बजाय निजी हस्पिटल भेजे जाने का मामला सामने आया हैं। थ्रेसर मशीन चलाने के दौरान बीस वर्षीय युवक का हाथ बांह से अलग हो गया था। उसे गुंडरदेही सामुदायिक केन्द्र से रिफर किया गया था। परिजनों का आरोप है कि, जिला अस्पताल में भर्ती कराए बगैर एक निजी एंबुलेंस से चिखली स्थित बीएसआर हास्पिटल भेज दिया गया, वहीं मरीज को देखने कोई डाक्टर भी नही आए। इस मामले में जिला अस्पताल प्रबंधन पर सवाल खडे हो रहे हैं।

जानकारी अनुसार रोहित ठाकुर पिता भुवनेश्वर ठाकुर उम्र बीस वर्ष का थ्रेसर मशीन से हाथ अलग हो गया था। उसे गुंडरदेही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिजनों ने भर्ती कराया था। लेकिन स्थिति देखकर उसे जिला अस्पताल दुर्ग भेजा गया था। ताकि समय पर हाथ जुड सके। परिजन ने बताया कि, दस दिसंबर को साढे पांच बजे की घटना थी। जिला अस्पताल वे शाम साढे सात बजे पहुंचे। मृतक के भाई दीपक ठाकुर ने बताया कि, यहां कोई डाक्टर मरीज को देखने उपलब्ध नही थे। उन्हें एक निजी एंबुलेंस चालक ने यहां रखने की स्थिति नही होने की बात कहकर उनसे छः सौ रूपए लिए और चिखली स्थित बीएसआर हास्पिटल भेजा गया। यहां दो दिन इलाज के बाद युवक की मौत हो गई। इस मामले की जानकारी लेने सीएस हेमंत साहु को फोन लगाया गया, लेकिन उन्होने रिसिव नही किया।

भाई ने कहा, ढ़ाई लाख लिए, नहीं बची जान

मृतक के भाई दीपक ठाकुर ने बताया कि, एंबुलेस चालक द्वारा वहां ले जाने के बीएसआर हास्पिटल मे भर्ती कराया गया। वहां आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी नगद राशि जमा करने दबाव बनाया गया। उन्होने तत्काल व्यवस्था कर दो लाख रूपए जमा किया। दीपक ठाकुर ने बताया कि, हास्पिटल को पांडे नामक डाक्टर ने कहा कि आप पैसा जमा कर दे, हाथ जोडने की जिम्मेदारी हमारी हैं। लेकिन उसके बाद भी मरीज की जान नही बची। दीपक ठाकुर ने कहा कि भाई मजदूरी करने गया था। कार्ड से इलाज करने में मना करने पर नाराज परिजनों ने कहा हैं कि, जिला प्रशासन से इसकी शिकायत करेगे।

जिला पंचायत सीईओ ने आवास के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिला पंचायत के सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने प्रधान मंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने

- कार्यों को समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत सांतरा में आवास के हितग्राहियों से चर्चा की और हितग्राहियों को आवास निर्माण योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारी को ग्राम पंचायत में अप्रारंभ आवास के कार्यों को तत्काल प्रारंभ करने कहा। ग्राम सांतरा, छाटा, गोंडपेंड्री के प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर आवास कार्यों को समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिये।

भ्रमण के दौरान प्रगतिरत कार्यों के हितग्राही अनुज बघेल, रंजीत, राम बघेल, गेंदलाल, सत बाई एवं सुख्खु ने बताया कि शासन द्वारा 02 किस्त का अनुदान प्राप्त हो चुका है। सीईओ श्री दुबे ने हितग्राहियों को आवास निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी और उन्हे प्रोत्साहित किया। उन्होंने रोजगार सहायक को समय में मस्टरोल जारी करवा कर 90 दिवस का भुगतान करने एवं आवास मित्र, तकनीकी सहायक को आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम छाटा में जीवनलाल, धोराजी, पन्नालाल और गुलाब चंद के आवास का और ग्राम गोंडपेंड्री में हितग्राही कुमारी बाई के आवास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत पाटन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा, आवास कॉर्डिनेटर जिला पंचायत, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, तकनीकी सहायक, आवास मित्र, रोजगार सहायक, सरपंच, सचिव उपस्थित थे।

ग्राम पतोरा की सरपंच बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

राष्ट्रपति अवार्ड ग्राम पंचायत पतौरा के सरपंच अंजिता गोपेश साहू को एसडीएम लवकेश ध्रुव ने छग पंजीयतीराज अधिनियम धारा चालीस के तहत पद से बर्खास्त कर दिया है।

आरोप था कि, पतौरा स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन से जुडे आय व्यय का संधारण सचिव द्वारा नही किया गया था। इसके आलावा जर्जर भवन के डिस्मेंटल के मामले में भी अनियमितता बरती गई थी। जिसके चलते उन्हें बर्खास्त कर दिया गया हैं। सरपंच का इस मामले में कहना है कि, वे कोर्ट में कार्यवाही को चुनौती देगी।

सिंधिया नगर में बैडमिंटन कोर्ट का महापौर व पार्षद ने किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत वार्ड 21 सिंधिया नगर के समीप सर्वसुविधायुक्त बैडमिंटन कोर्ट का

- 10 लाख से निर्मित है सर्वसुविधायुक्त कोर्ट

लोकार्पण महापौर धीरज बाकलीवाल एवं पार्षद अरुण सिंह द्वारा किया गया। बता दे कि बैडमिंटन कोर्ट पार्षद निधि से 6 लाख और महापौर निधि से 4 लाख की लागत से निर्मित किया गया है। इस अवसर पर सिंधिया नगर के वरिष्ठजनों तथा वार्डवासियों द्वारा महापौर धीरज बाकलीवाल, एमआईसी दीपक साहू, भोला महोबिया का स्वागत किया गया। महापौर धीरज बाकलीवाल ने बताया की निगम के वार्ड 21 में युवाओं की खेल प्रतिभा

को निखारने और खेल सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने वार्डवासियों को इस अवसर पर बधाई दी और खेल को प्रोत्साहन देने पार्षद अरुण सिंह के प्रयास की सराहना की। पार्षद अरुण सिंह ने बताया की इस सर्वसुविधायुक्त बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण महापौर एवं पार्षद निधि को मिलाकर 10 लाख की लागत से किया गया है। जो सिंधिया नगर में खेल सुविधाओं के लिए किया गया है। पार्षद के प्रयास से पहले भी इंडोर स्टेडियम 60 लाख से निर्माण की लागत से बनाया जा चुका है।

इस सर्वसुविधायुक्त बैडमिंटन कोर्ट में खिलाड़ी रात में भी खेल का अभ्यास कर पाएंगे। पार्षद अरुण सिंह तथा वार्डवासियों ने महापौर धीरज बाकलीवाल को इस सौगात के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आयुष शर्मा, राकेश, गोलू जैन, राजेंद्र मालवीय, विनय कुमार गुप्ता, एसके जोशी, आर सी साहू, मनोज नायक, ललित देवांगन, एलडी मित्तल, नरसिंह ठाकुर, राकेश श्रीवास्तव, बीपी चंद्राकर आदि उपस्थित थे।

स्वच्छता पखवाड़ा : श्रमदान कर की गई रेवा तालाब की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने पर दीपक नगर वार्ड 23 के रेवा तालाब में

आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग अमला के साथ पार्षद श्रीमती मीना सिंह के नेतृत्व में साफ-सफाई कराई की गई। साथ ही वार्ड नागरिकों को स्वच्छ सरोवर स्वच्छ कुंड के महत्व बताए गए। पार्षद मीना सिंह द्वारा घरों से निकलने वाले कचरा गीला सूखा अलग-अलग करने की भी अपील की गई। साथ ही कचरा बाहर न फेंकने की बात कही। जल स्त्रोतों तालाब निगम टीम, पार्षद एवं आम जनों के माध्यम से सफाई अभियान किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य आमजनों में सफाई संबंधित विषयों में जागरूकता लाने के साथ-साथ शासन द्वारा 01 वर्ष में हुए जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हुए हितग्राहियों के विषय में बताया जाना है। दीपक नगर रेवा तालाब की साफ-सफाई में जनप्रतिनिधियों ने भी सहयोग किया। कुछ युवक तालाब के भीतर जाकर पानी में फैले पॉलिथीन के बैग और मिट्टी कचरा को निकालकर किनारे में रखा।

सेवाओं की समस्याओं के निवारण से कराया अवगत

लोकपाल से कर सकते हैं बैंक की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना 2021 के अंतर्गत होटल अमित

- कार्यशाला में दी गई विस्तार से जानकारी

इंटरनेशनल पार्क सुपेला भिलाई में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आम नागरिकों तथा ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं से सम्बंधित शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न बैंक अधिकारियों के द्वारा बैंकिंग सेवाओं से असंतुष्ट होने पर

शिकायत की प्रणाली, शिकायत की पहले सम्बंधित बैंक शाखा अधिकारी तक पहुंचाना, यदि वहां समस्या का समाधान नहीं होता या समाधान से संतुष्ट नहीं हैं तों उसके पश्चात बैंक लोकपाल में शिकायत करना, यदि वहां भी समस्या का समाधान नहीं होता है तों आप उसे रिजर्व बैंक के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाने से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित ग्राहकों एवं अधिकारी के बीच प्रश्न-उत्तर सत्र प्रारंभ किया गया। जिसमें ग्राहकों द्वारा अपनी समस्या से अवगत करवाया गया जिसका सम्बंधित अधिकारियों द्वारा निवारण का तरीका बताया गया। इसके साथ ही वर्तमान में होने वाले विभिन्न वित्तीय धोखाधड़ी से कैसे बचा जाना चाहिए तथा अपनी गोपनीय जानकारी जैसे आधार, बैंक से सम्बंधित जानकारी, साथ ही मोबाईल पर आने वाले पासवर्ड को किसी के साथ साझा न करने के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम में जेपी निस्के लोकपाल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, गजेन्द्र साहू उपलोकपाल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया माधवनंद परिड़ा क्षेत्रीय प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भरत कुमार चावड़ा उप अंचल प्रमुख बैंक ऑफ बडौदा, दीपक त्रिवेदी क्षेत्रीय प्रबंधक एचडीएफसी बैंक, प्रभात रंजन कलस्टर हेड आईसीआईसीआई बैंक उपस्थित थे।

डिपरापारा में होंगे विकास कार्य विधायक ने किया भूमिपूजन

दुर्ग। डिपरापारा की सड़के दुरुस्त होंगी वार्ड में सीसी रोड और नाली निर्माण के लिए स्वीकृत कार्यों का भूमिपूजन किया गया। विधायक गजेन्द्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने वार्डवासियों के साथ नारियल तोड़कर सड़क बनाने भूमिपूजन किये। विधायक गजेन्द्र यादव ने बोरसी मीनाक्षी नगर वार्ड क्रमांक 53 में देवांगन समाज की मांग पर अपने निधि से देवांगन समाज के भवन के लिए 20 लाख की राशि स्वीकृति दिए थे जिसका सामाजिकजनों की उपस्थिति में भूमिपूजन किये और मौके पर उपस्थित इंजिनियर को भवन निर्माण को जल्द शुरू करने और निर्धारित समय में पूर्ण करने निर्देश दिए। मीनाक्षी नगर में भवन बन जाने से क्षेत्र के नागरिकों को

सामाजिक धार्मिक आयोजन के लिए उपयुक्त स्थान मिल जायेगा। इसी प्रकार डिपरा पारा वार्ड क्रमांक 39 में नाली तथा सड़क निर्माण 52 लाख की लागत से होगा। 23 लाख से वार्ड के प्रमुख सड़क डामरीकरण, 23 लाख से सीसी रोड ताकी आवागमन बेहतर हो सके। इसके पानी के निस्तारी करने वार्ड में 6 लाख की राशि से नाली निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर वार्ड पार्षद पुष्पा गुलाब वर्मा, शिवेंद्र परिहार, नरेंद्र बंजारे, चंद्रशेखर चंद्राकर, मनीष साहू, करण यादव, जग्गी शर्मा, द्वारिका साहू, चैनसुख भट्टड आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आज

उतई। केंद्रीय विद्यालय सीआईएसएफ उतई में केंद्रीय विद्यालय संगठन स्थापना दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 14 दिसंबर को आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल आरटीसी भिलाई उप महानिरीक्षक डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय होंगे।

अहिवारा नगर पलिका को मिला सम्मान

भिलाई। अहिवारा नगर पालिका परिषद को मिला राज्य सरकार से पुरस्कार गुरुवार को आयोजित उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम-सम्मान समारोह में दीन दयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत योजना के क्रियान्वन के लिए किए गए असाधारण प्रयास के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय तथा उप मुख्यमंत्री अरूण साव द्वारा संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बख्शी ने बताया कि नगर पालिका परिषद अहिवारा द्वारा दीन दयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन तथा पीएम स्वनिधि योजना में स्टॉफ की कमी के बावजूद भी शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य से ज्यादा प्रगति की गयी है।

बोरीगारका में पानी टैंकर की मिली सौगात

उतई। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोरीगारका में जिला पंचायत दुर्ग सभापति योगिता चंद्राकर द्वारा अपने निधि से पानी टैंकर प्रदान की। सरपंच गूंजेश्वरी साहू ने ग्राम में गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या को सभापति योगिता चंद्राकर के पास रखी थी। जिस पर उन्होंने पूर्ण रूप से आश्वासन दी थी जिसे पूरा करते हुए अपने निधि से ग्राम पंचायत बोरीगारका को पानी टैंकर दी। इससे ग्राम में गर्मी के दिनों में पेयजल संकट से मुक्ति मिलेगी। पानी टैंकर पाकर ग्राम के लोगों ने खुशी जाहिर की है।

धान खरीदी केंद्र में लिया व्यवस्थाओं का जायजा

अंडा। सेवा सहकारी समिति परसदा पं क्र 290 में धान खरीदी के चलते भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिसमें प्रतिदिन पूर्व जिलाध्यक्ष लेखराम साहू जिला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ठाकुरराम चंद्राकर साथ-साथ जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष हेमंत साहू, सेवा सहकारी समिति गुरेदा के प्राधिकृत अध्यक्ष कमलेश पांडे सेवा सहकारी समिति गोरकापार के प्राधिकृत अध्यक्ष तुलेश्वर चंद्राकर, सेवा सहकारी समिति राहूद के प्राधिकृत अध्यक्ष चेतन साहू तथा ग्राम परसदा के सरपंच व मंडल के उपाध्यक्ष कुलदीप साहू ने खरीदी व उठाव की समीक्षा किया।

भक्ति : श्रीमद् भागवत कथा कुथरेल व आडोरसकरी के ग्रामीणों का आयोजन

कृष्ण जन्मोत्सव में झूमे श्रद्धालु, कृष्ण की बाल रूप झांकी रही आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

गायत्री ज्ञान मंदिर एवं समस्त ग्रामवासी कुथरेल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा एवं पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुक्रवार को पांचवां दिन जिसमें कृष्ण जन्मोत्सव में झुमें श्रद्धालु।

कथावाचक सुरेश कुमार दीन ने गजेंद्र मोक्ष की कथा बताते हुए कहा कि गजेंद्र हाथियों पर राजा है उनकी सौ पत्नी है। वन के सरोवर में जल क्रीड़ा करते हुए गजेंद्र अधिक उन्मुक्त हो जाता है। क्रीड़ा करते हुए सरोवर के अंदर गजेंद्र के पैर को मगर पकड़ लेता है वह छटपटाता है छुड़ाने का बहुत प्रयास करता है लेकिन छुड़ा नहीं पाता काफी दिन निकल जाते हैं तभी गजेंद्र अपने परिवार को आवाज लगता है लेकिन परिवार से कोई नहीं आता। तब भगवान के अलावा बचाने वाला कोई नहीं तभी, सरोवर में खिले कमल को देखकर नारायण भगवान को पुकारने लगा भगवान ने उनकी पुकार सुन ली भगवान को आने में देर नहीं लगी गरुड़ में बैठकर भगवान पहुंचे भगवान ने दोनों को खींचकर बाहर निकाला और सुदर्शन से मगर को मार डाला और दोनों का उद्धार हुआ है।

कथावाचक सुरेश कुमार ने कहा कि अग्रसेन और सुरसेन दोनों भाई थे जिनका शूरसेन का पुत्र हुआ वासुदेव और अग्रसेन का पुत्र हुआ कंस कथा को विस्तार से बताते हुए कहा कि अग्रसेन की पत्नी पद्मावती एक दिन एक मनोरम पर्वत में भ्रमण के लिए चली गई। भ्रमण करने वह दासियों के साथ गई लेकिन पर्वत का दृश्य इतना मनोरम था कि वह दासियों को छोड़कर अकेले ही रह गई। इसके बाद आकाश मार्ग से उड़ते हुए एक दैत्य धूमिल नाम का पद्मावती को देखकर उनके सामने जाने का सोचता है जो की धूमिल राक्षस एक मायावी था तो उन्होंने अग्रसेन का रूप बनाकर उनके सामने प्रकट हो गया। जिसकों देखकर रानी पद्मावती बेहोश हो जाती है। तभी आकाशवाणी होती है की रानी के गर्भ में जो अंश है वह राक्षस होगा दैत्य पुत्र के कारण वह आतंकी होगा।

कंस का जन्म हुआ और वह वासुदेव के एक अच्छे मित्र बन गए थे। कंस ने अपनी चचेरी बहन देवकी के लिए वासुदेव को कहा कि आप मेरी बहन से परिणय कर लो तो वासुदेव ने मित्र की बात को सुनकर परिणय के लिए तैयार हो जाता है। इसके बाद कंस अपनी बहन को अपनी रथ में बैठाकर ले जा रहा था तभी आकाशवाणी होती है कि जिसको तू लेकर जा रहा है उसी के गर्भ के आठवें संतान से तुम्हारी मौत होगी। तभी कंस क्रोधित हो जाता है और अपनी बहन को रथ से खींचकर बाहर निकलता है और तलवार से मारने ही वाला होता है तभी वासुदेव जाकर उनकों रोकते हैं और कहते हैं कि है मित्र तुम तो बड़े ही बलशाली हो तुम बड़े शूरवीर हो क्या तुम एक महिला को मारोगे ऐसा कह कर उनको रोकते हैं और कहते हैं कि अगर आपको हमारी संतान से डर है तो मैं अपना आठवां संतान आपको लाकर दे दूंगा।

नारद कंस को कहता है कि क्या जरूरी है कि तुम्हारी मौत आठवीं संतान से होगी वह मौत पहले या दूसरी संतान से भी हो सकती है जिसकों सुनकर कंस और क्रोधित हो जाता है, और वासुदेव और देवकी को काल कोठरी में डाल देते हैं तभी उनकों पहली संतान होता है। जिसके बाद से वह 6 संतानों को मार डालता है। इसके बाद सातवीं संतान के समय भगवान योग माया को भेज कर देवकी के गर्भ को रोहिणी के गर्भ में डाल देते हैं जिसका नाम बलराम पड़ता है और योग माया से ही कृष्ण भगवान का जन्म होता है।

अभिमान की छोटी सी चिंगारी जीवन को जलाकर राख कर देती है: संत निरंजन

अंडा। ग्राम ओडारसकरी में श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक संत निरंजन महाराज ने बताया कि जीवन में काम क्रोध लोभ मद मोह मत्सर ये षडविकार है इसे त्याग कर ही प्रभु को प्राप्त किया जा सकता है। जीवन से दुर्गुणों का त्याग करें और सद्गुण को अपनाये। अभिमान पतन का मूल कारण है जो जीवन का विनाश कर देता है इसलिए कभी भी अभिमान न करें। अभिमान के प्रकार बहुत है तन का, मन का, धन का, पद का, प्रतिष्ठा का, रूप का, रंग का, बहुत ही प्रकार के है। अभिमान के वृक्ष में अभद्रता के पुष्प और विनाश का फल तैयार होता है। इसलिए अभिमान को त्यागे और जीवन मे प्रेम की प्रगाढ़ता को बढ़ाये। कथा में सृस्टि वर्णन, विदुर कथा, दक्ष यज्ञ प्रसंग और शिव विवाह की कथा पर आध्यात्मिक विवेचन किया गया। संत ने कहा, प्रभु के दरबार मे न कोई छोटा बड़ा ऊंच नीच नही है सभी के लिए प्रभु का प्रेम बराबर है, इंसानियत से बड़ी कोई जाति नही न हम ब्राह्मण है न हम क्षत्रिय न हम वैश्य न हम शुद्र प्रभु कहते है सर्वप्रथम हम इंसान है और इंसान बन कर इंसानियत का त्याग मत कर। भगवान की तरह बनने की चाहत तो सभी को होती है लेकिन भगवान बनने की चाहत को छोड़ कर जिस दिन हम इंसान बन गए तो मानो राम राज्य स्थापित हो गया।आज पशुओं के अंदर मानवीय संवेदना देखने को मिलती है इसलिए इंसान बने।

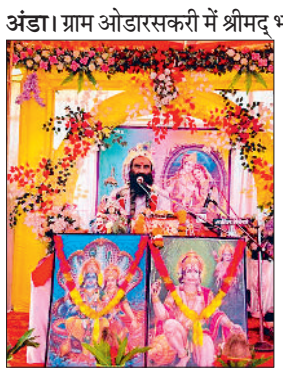

समोदा में श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन 2 जनवरी से प्रारंभ

अंडा। ग्राम समोदा में 2 से 10 जनवरी 2025 तक श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन बजरंग सेवा समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है। कथा व्यास पंडित भूपेंद्र पांडेय गुंडरदेही होंगे। 2 जनवरी को 12 बजे कलश यात्रा भजन मंडली के साथ एवं वेदी पूजन गौकरण कथा, 3 जनवरी कथा प्रारंभ, सुखदेव आगमन, 4 जनवरी ध्रुव चरित्र ,कपिल चरित्र ,5 जनवरी प्रहलाद चरित्र जड़ भरत प्रसंग ,6 जनवरी श्रीराम जन्म एवं श्रीकृष्ण जन्म 7 जनवरी बाल चरित्र, माखन चोर लीला ,8 जनवरी रुक्मणी मंगल विवाह, 9 जनवरी सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष चढ़ोत्री ,10 जनवरी श्रीगीता प्रवचन, तुलसी वर्षा ,हवन, शोभायात्रा मंगलमय समाप्ति एवं संध्याकालीन महाप्रसादी का आयोजन किया गया है।

भोथली स्कूल में डीईओ मिश्रा ने जाकर दिव्यांग सरपंच को किया सम्मानित

भोथली शा.स्कूल को नवाचार से मिली नई पहचान: सरपंच सुरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶|निकुम

कहते हे, कि कागज अपनी किस्मत से उड़ता है, और पंतग अपनी काबिलियत से उड़ता है ,इसलिए किस्मत साथ दे ना दे ,तब अपनी काबिलियत पर भरोसा रखो समाज में पहचान जरुर मिलेगी।

इस बात को चरितार्थ कर रहे ग्राम भोथली के दिव्यांग सरपंच सुरेश साहू ने गांव की सरकारी स्कूल की दशा दिशा बदल कर साबित कर पूरे दुर्ग जिले में शासकीय प्राथमिक शाला भोथली को नई पहचान देकर बनाई। स्कूलों बच्चों के लिए नवाचार कर गांव में शिक्षा के प्रति कड़ी मेहनत कर स्कूल में स्मार्ट टीवी ,पेयजल ,सीसी टीवी, पेड़ पौधे ,प्रोजेक्टर, आरो वाटर सिस्टम ,डेस्क बेंच,प्रोजेक्टर से पढ़ाई , किसान मजदूरों के बच्चे सिर्फ कलम ,पेंसिल ही नहीं कम्प्यूटर भी चलाते है। वहीं न्यौता भोजन स्वंय 9 बार करा चुके है। जिससे ग्रामीण भी प्रेरित होकर समय-समय पर स्कूल में न्यौता भोजन कराते है।

गौरतलब हो कि जिला शिक्षाधिकारी दुर्ग अरविंद मिश्रा स्वयं भोथली स्कूल पहुंचकर अवलोकन कर सरपंच सुरेश साहू व स्कूल स्टॉप के कार्यों को सहराते हुए कहा कि अपने बैशाखी व हौसले से स्कूल की तस्वीर बदल दी, पूरे दुर्ग जिले शासकीय प्राथमिक शाला भोथली स्कूल की अलग ही पहचान बन गई। वहीं अपने हाथो से दिव्यांग सरंपच सुरेश साहू को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया। बच्चों से सवाल ,जबाब व शिक्षा की तारीफ किया। वहीं इस अवसर सुरेश ने बच्चों को खीर ,पूड़ी ,स्वादिष्ट भोजन कराया। इस अवसर पर तिरगा प्राचार्य पुष्पा रामटेके, सीएसी तिरगा राजेष्वर प्रसाद ,सीएसी संजय चन्द्राकर, प्रधानपाठक भानुप्रकाश वर्मा, शिक्षक प्रमोद बरवाल, चंदन साहू सहित वरिष्ठ ग्रामीण रहे।

राज्य वीरता पुरस्कार हेतु आवेदन दो तक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के बच्चों को किसी घटना विशेष में उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, एवं बुद्धिमता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसके तहत 05 बालक, बालिकाओं को 25 (पच्चीस) हजार रूपये की राशि तथा प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र कार्यालय को 02 जनवरी 2025 तक सीलबंद लिफाफे में राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2024 अंकित कर जमा करना होगा।

अंचल की खबरें

विधायक ललित ने सीएम से की मुलाकात

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। उनके कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी नीतियों के कारण प्रदेश ने हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। यह एक ऐसा अवसर है, जो समर्पण, परिश्रम और जनकल्याण की भावना को उजागर करता है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय की नेतृत्व वाली सरकार का गठन हुआ था आज एक वर्ष ऐतिहासिक पूर्ण उपलब्धि के साथ आज हुआ। चंद्राकर ने कहा कि विगत एक वर्ष में हमारी सरकार ने आपके विश्वास पर खरा उतरते हुए प्रदेश में प्रगति के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं।

गायत्री महायज्ञ का भूमिपूजन आज

धमधा। ऐतिहासिक नगर धमधा में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम 14 दिसंबर को दोपहर 12 बजे गायत्री मंदिर के पास रखा गया है। इसमें शांतिकुंज के प्रतिनिधि विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रों से भूमिपूजन का कार्य सम्पन्न करायेंगे। गायत्री मंदिर धमधा की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती वर्ष के अवसर पर नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ 21 से 23 दिसंबर 2024 तक में किया गया है। इसमें यज्ञ स्थल में दैवीय प्रवृत्तियों को आमंत्रित किया जाएगा ताकि यज्ञ कार्य निर्विघ्न सम्पन्न हो सके। उस कार्य को शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि परिव्राजक पांच दंपत्तियों के माध्यम से पूर्ण करायेंगे। मुख्य अतिथि नपं धमधा अध्यक्ष सुनीता गुप्ता होंगे। अध्यक्षता समाजसेवी रमेश पटेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुरेश धीवर, खोमन पटेल, सुनील ताम्रकार उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी गायत्री परिवार के जोन प्रभारी एसपी शर्मा एवं धीरज लाल टांक ने दी।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का 15 को सम्मान

सेलूद। जन्मभूमि कर्मचारी सेवा समिति सेलूद के तत्वावधान में सभी सेवानिवृत्त, नवनियुक्त व स्थानीय जन प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह का कार्यक्रम 15 दिसम्बर को जन्मभूमि कार्यालय प्रांगण बाजार चौक सेलूद में सुबह 11 बजे आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक नंद कुमार तिवारी, अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक लक्ष्मीनारायण साहू, विशेष अतिथि सेवानिवृत्त दौव्वा राम वर्मा, अर्जुन सिंह बंछोर, जीवराखन लाल वर्मा, रामजी देवांगन इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से लक्ष्मीनारायण साहू, अनिल बनपेला, रामनाथ यादव, संतोष वर्मा, बलराम वर्मा, दानेश्वर वर्मा, मिश्री लाल देवांगन, दुलार ठाकुर, डॉ. बीएल वर्मा, दिनेश देवांगन, ईश्वर देवांगन, हिरेन्द्र साहू, आशीष शर्मा, खेमकरण साहू, रघुनंदन ठाकुर, अशोक यादव, अनुप कश्यप, मुरारी बंछोर, संतोष वर्मा, शंकर निषाद, संजय वर्मा, प्रवीण साहू, राजेश देवांगन, रानू गोस्वामी, पालसिंग ठाकुर, श्रीकांत साहू, रामेश्वर साहू, नरेश कश्यप, लवण साहू, गोपी साहू, कीर्तन देवांगन का विशेष सहयोग रहेगा ।

सरकार 1 साल में एक भी बड़ा काम बेहतर तरीके से नहीं कर पाई है: अशोक

पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र में जबरदस्ती श्रेय लेने की राजनीति कर रही भाजपाई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू ने बताया कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का अपमान करना भाजपाइयों की पुरानी आदत है। उन्होंने बताया कि विगत कई दिनों से रानीतराई,ओदरागहन, किकिरमेटा,सहित पाटन विधानसभा में विकास कार्यों कार्यों, सामाजिक भवनों, अधोसंरचना के लिए करोड़ों की स्वीकृति पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक भूपेश बघेल ने दिया था। ताकि क्षेत्र का समुचित व चहुमुंखी विकास हो सके। लेकिन जबरदस्ती विकास कार्यों को लेकर श्रेय लेने की राजनीति आरम्भ हो गई है। ऐसे कार्य कर रही भाजपाई, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का अपमान और ऐसा कारस्तानियां व चालबाजी भाजपाइयों द्वारा किया जा रहा है। उन्हें व समस्त भाजपाइयों को इसके लिए माफी मांगना चाहिए।

शहीद वीर नारायण बलिदान दिवस कल

सेलूद। आदिवासी ध्रुव गोंड समाज धौराभांठा द्वारा 15 दिसंबर को शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस का आयोजन बाजार चौक धौराभांठा में किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे कलश शोभायात्रा के साथ होगी। दोपहर 12 बजे से अतिथियों का उद्बोधन मंचीय कार्यक्रम में आदिवासी युवक-युवतियों द्वारा पड़की, सुआ एवं आदिवासी कला संस्कृति का प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्य अतिथि आदिवासी ध्रुव गोंड समाज पाटन राज अध्यक्ष संतलाल कोड़प्पा , विष्टिअतिथि जिला पंचायत सदस्य दुर्गा नेताम, जनपद सदस्य पाटन रत्ना पडोटी, परिक्षेत्रीय सुरपा अध्यक्ष अभयराम ठाकुर, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष भांठागांव धनाजी राम पडोटी, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष कौही बरन सिंह पडोटी, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष बोरीद मोहन नेताम, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष देमार जगनू राम मंडावी, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष धौराभांठा पाटन राज सचिव रामसुमेर होंगे।

नेटबॉल टीम जांजगिर के लिए आज रवाना

भिलाई। जांजगिर में आयोजित राज्य स्तरीय नेटबॉल खेल में भाग लेने के लिए दुर्ग जिला के अंडर-16 के बालक-बालिका की टीम 14 दिसंबर को जांजगिर जा रहा है। टीम के साथ कोच सूर्यकांत यादव, राजबहादुर, मीशा सिंह होंगे।

विद्युत उपकेंद्र पुलगांव में ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ेगी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र, उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर तेजी से कार्य कर रही है। इसी तारतम्य में दुर्ग क्षेत्र के बघेरा जोन के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र पुलगांव में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए. से बढ़ाकर 05 एम.व्ही.ए. किया गया है। विद्युत उपकेंद्र में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि का कार्य मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लगभग 55 लाख 80 हजार रुपए की लागत से संपन्न किया गया।

खबर संक्षेप

तालाब में डाला कचरा, 500 रुपए का जुर्माना

भिलाईनगर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ को लोगो तक पहुंचाने के लिए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय प्रतिदिन सुबह दौरा कर रहे है। नागरिको से सीधे वार्तालाप कर रहे है, उनके प्रश्नों का जवाब दे रहे है। यदि किसी प्रकार की कमी होने पर संबंधित अधिकारी को शीध्र निराकरण करने के लिए निर्देशित कर रहे है। सफाई व्यवस्था, निर्माण, उद्यान, तालाब का सौंदर्यीकरण, स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, पानी सप्लाई, सड़क निर्माण इत्यादि सभी विषयो पर सीधे नागरिको से संपर्क कर रहे है। नागरिको से जुड़कर कार्यो को संपादन करने निर्देश दे रहे है। इस दरमयान यदि कहीं पर नागरिको के तरफ से भी लापरवाही की जा रही है, तो उसके उपर कार्यवाही भी हो रही है। इसी तारतम्य में आज आयुक्त जोन क्रमांक 02 में ओम शांति ओम चैंक में 200 मीटर रोड़ चैड़ीकर का जायजा लिया। उसके बाद सियान सदन में बने निर्माण और बगल में बने खेल उद्यान को देखने के बाद हाउसिंग बोर्ड जवाहर नगर सूर्य कुण्ड तालाब के आस-पास का निरीक्षण किए। तालाब का उपयोग कर रहे नागरिको से आस-पास साफ-सफाई, गंदगी न फैलाने का समझाइस दे रहे थे। उसी समय श्रीमती जयंती जैना द्वारा सूर्य कुण्ड तालाब में घर से लाकर कचरा फेंका जा रहा था। आयुक्त पाण्डेय ने स्वयं देखा कि एक तरफ नगर निगम की टीम लोगो को समझाइस दे रही है कि तालाब को साफ-सुथरा रखा जाए। दुसरी तरफ महिला द्वारा घरो का कचरा तालाब में डाला जा रहा है। तुरन्त इस कृत्य के उपर कार्यवाही करने को कहा। श्रीमती जैना ने कहा अभी हमारे पास पैसा नहीं है, नगर निगम की टीम उनके घर गई वहां से 500 रूपये अर्थदण्ड लेकर रसीद दिया गया। मोहल्ले में अन्य लोगो ने जब तालाब में कचरा डालने के बाद अर्थदण्ड वसूलते देखे तो वह भी सचेत हो गए। कि तालाब में अब दुबारा कचरा नहीं फेकेंगें।

मैत्रीबाग में पेलिकान बर्ड बने पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मैत्रीबाग में पेलिकान बर्ड पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। लोग रोमांच से इनके एनक्लोजर के सामने खड़े होकर मोबाइल से तस्वीर ले रहे हैं। चिड़ियाघर में डेढ़ दर्जन दुर्लभ प्रजाति के पेलिकान हैं।

ठंडी बढ़ने के साथ ही मैत्रीबाग जू में सैलानियों की भीड़ बढ़ने लगी है। इनमें सबसे ज्यादा बच्चे और युवा हैं। लोग गुनगुनी धूप में वन्य प्राणियों का दीदार कर रहे हैं। वाइट टाईगर व भालू आदि सामान्य जानवरों के साथ यहां पेलिकान बर्ड व नए नए आए दो मगरमच्छ लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। चिड़ियाघर में जो प्रजाति को 16 पेलिकान बर्ड हैं। ग्रे पेलिकान व सामान्य पेलिकान दोनों ही पर्यटकों को लुभा रहे हैं। अपने पोखर में तैरते ग्रे पेलिकानों की रोमांचक मुद्राओं को पर्यटक मोबाइल में कैद कर रहे हैं। बच्चे व युवा जोड़े सेल्फी ले रहे हैं। पिछले दिनों एक पेलिकान ने अंडे भी दिए थे। पेलिकानों की आयु 12 से 13 वर्ष और इनका आहार मछलियां आदि जलचर होते हैं।

सर्दियों में चिड़ियाघर में बढ़ी रौनक

लुभा रहे क्रोकोडायल भी

मैत्रीबाग चिड़ियाघर में महीनेभर पहले लाए गए दो मगरमच्छ भी लोगों को लुभा रहे हैं। इसके पूर्व भी मैत्रीबाग में दो क्रोकोडायल थे। इनकी मौत के बाद लंबे समय तक एनक्लोजर खाली था। कुछ लोग क्रोकोडायल के बाजू में इनसे मिलते जुलते चार घड़ियालों को ही मगरमच्छ समझ खुश हो लेते थे। लेकिन पिछले महीने जू प्रबंधन द्वारा यहां कानन पेंडारी से दो मगरमच्छों को लाए जाने से अब फिर से यहां रौनक आ गई हैं।

लायसेंस व लीज पर आवास आवंटित करने यूनियनें हो रहीं एकजुट

लायसेंसी आवासीय योजना शुरु होने से बेजा कब्जा समस्या से मिलेगी निजात

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

टाउनशिप में अवैध कब्जों से निजात के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाने के लिए यूनियनें एकजुट हो रही हैं। इसके तहत लायसेंसी आवास योजना को शुरु करने के साथ कर्मियों को ट्रिपल आवास आवंटित किए जाने की मांग बीएसपी प्रबंधन से की जा रही है। यूनियनों के मुताबिक इससे लाइलाज हो चली अवैध कब्जे की समस्या से राहत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि टाउनशिप में बीएसपी क्वार्टरों में अवैध कब्जे की समस्या से बीएसपी के साथ रहवासी संयंत्रकर्मियों की भी परेशानी बढ़ रही है। इसके लिए बीएसपी द्वारा पिछले एक साल से अवैध कब्जा हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। कई आवासों को खाली कराया जा चुका है। लेकिन सेक्टर 6 आदि में खाली कराए गए आवासों में कुछ दिनों बाद फिर से कब्जा होने और खिड़की दरवाजे निकालने के बाद भी कब्जाधारी परदा डालकर रह रहे हैं। बेजा कब्जा की समस्या से टाउनशिप का माहौल भी अराजक हो रहा है। लिहाजा आवासों में कब्जे क समस्या से मुक्ति के लिए यूनियनें लायसेंसी आवास योजना को फिर से शुरु करने, कर्मियों को तीन आवास आवास आबंटित करने की मांग कर रही है। यूनियनों के मुताबिक बीएसपी कर्मचारियों को दो आवास दिए जा रहे हैं। नियमानुसार तीन आवास भी ले सकते हैं। ट्रिपल आवास आवंटित करने से हजारों आवासों में बेजा कब्जा की समस्या खुद समाप्त हो जाएगी। वहीं अवैध कब्जा हटाओ मुहिम में जुटे बीएसपी के अमले के वक्त व संसाधन की बचत के साथ बेजा कब्जों के चलते अराजकता की समस्या से भी राहत मिलेगी।

यूनियनों ने प्रबंधन से की मांग

पूर्व में लायसेंस पर आवास दिए जाने की योजना शुरु की गई थी। इसके तहत करीब दो हजार आवास लोगों को लायसेंस पर बीएसपी दे चुका है। इसके बाद यह योजना बंद है। यूनियनों ने प्रबंधन से मांग की है कि आवासहीनों को लायसेंसी आवास दिए जाने से बीएसपी को राजस्व और जरुरतमंदों को मकान और बेजा कब्जा की समस्या भी जाती रहेगी।

छठा लीज फेस शुरु हो

बीएसपी द्वारा आवासीय लीज योजना को भी फिर से शुरु किए जाने की मांग उच्च प्रबंधन से की जा रही है। इससे कब्जे वाला आवासों और अतिरिक्त आवासों को लीज पर उठने से प्रबंधन को मदद मिलेगी। गौरतलब हो कि वर्ष 2000 से 2004 तक लीज के पांच फेस में 45 सौ आवास लीज पर दिए गए थे। इसके बाद छठे फेस की मांग बीस साल से की जा रही है। छठा फेस शुरु हो जाने से हजारों आवास लीज पर दिए जा सकेंगे। इससे सेल को राजस्व व बीएसपी को बेजा कब्जा से राहत मिलेगी।

चिकित्सकों ने किया पंडवानी गायिका तीजन का स्वस्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पिछले डेढ़ वर्ष से अस्वस्थ चल रहीं अंतर्राष्ट्रीय पंडवानी गायिका तीजन बाई की सेहत को लेकर प्रशासन की फौरी सक्रियता का असर अब दिखने लगा है।शासकीय सुपेला अस्पताल के चिकित्सकों ने शुक्रवार को दूसरे दिन भी पंडवानी गायिका के गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना । डां. दीपमाला और स्टाफ नर्स ने उनका चेकअप किया। तीजन बाई का बीपी सामान्य बताया गया।

उल्लेखनीय है कि पैरालाइज और हार्ट की बीमारी से जूझ रहीं तीजन बाई का हाल चाल जाने गुरुवार को जिला प्रशासन का अमला उनके निवास पहुंचा था। परिजनों के आर्थिक तंगी के कारण इलाज की परेशानी संबंधी आवेदन मिलने और मदद की गुहार के बाद एसडीएम व तहसीलदार आदि अधिकारियों के साथ पहुंचीं कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आर्थिक मदद के लिए रेडक्रास मद से 50 हजार का चेक तीजन को प्रदान किया । 2 हजार रुपए कलाकार पेंशन के आवेदन पर संस्कृति विभाग को निर्देशित करने का आश्वासन दिया। साथ पदमश्री पेंशन की 5 माह की राशि उनके खाते में आ जाने व संबंधित बैंक को जल्द भुगतान करने निर्देश देने का भरोसा दिलाया।

कर्मचारी महासंघ ने की आरोपी के गिरफ्तारी की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

- राजस्व अधिकारी से बदसलूकी का मामला

कुर्की की राशि की वसूली में पहुंचे सहायक राजस्व अधिकारी एवं उनकी टीम के साथ किये गये अमर्यादित व्यवहार तथा गाली गलौच के आरोपी के गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने आयुक्त को मांग पत्र सौपा। सुपेला नेहरू रोड में अवैध ठेला लगा कर व्यवसाय करने वाले हरि चौहान का दक्षिण गंगोत्री में स्थित गोदाम का बकाया सम्पत्तिकर राशि की वसूली हेतु जोन एक नेहरू नगर के सहायक राजस्व अधिकारी प्रसन्न तिवारी अपनी टीम के साथ गोदाम पहुंचे थे। चौहान ने नेहरू रोड ठेले में बुला कर राशि ले जाने को कहा जब टीम मौके पर पहुंचे तो शराब के नशे में धुत हरि चौहान ने प्रसन्न तिवारी और उसकी टीम के सदस्यो के साथ गाली गलौच की।

संघ के पदाधिकारी महामंत्री शरद दुबे के नेतृत्व में आयुक्त से मिल कर घटना से अवगत कराए और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग का पत्र सौंपा। मैदानी क्षेत्र में कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग रखी। प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश उपाध्यक्ष रीता चतुर्वेदी, रामवृक्ष यादव, अध्यक्ष शशिभूषण मोहंती, महासचिव रोहित बंजारे, उपाध्यक्ष वामन राव, महेश वर्मा,नवीन साहू, अर्पित बंजारे, बालकृष्ण नायडू,जे पी तिवारी, अनिल मेश्राम, विद्याधर देवांगन, महेश वर्मा, संतोष पाण्डेय,लोकेश बयां, दिलीप गायकवाड़, युवराज साहू, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

एआई के व्यावहारिक कौशल के दिए टिप्स, बीएमडीसी में कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के बीएमडीसी में 11 नेक्स्ट जेन एचआर मास्टरी एचआर के लिए एनालिटिक्स, एआई और जेनरेटिव एआई का लाभ उठाना शीर्षक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एटीआईवीआईटीटीआई टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया। इसमें सेल के 34 अधिकारियों ने भाग लिया।

इसका उद्देश्य सेल के एचआर अधिकारियों को एचआर डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जेनरेटिव एआई में उन्नत ज्ञान और

व्यावहारिक कौशल से अवगत करना था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने की। मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक रविशंकर और समीर गुप्ता भी व महाप्रबंधक संजीव श्रीवास्तव उपस्थित थे।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को एचआर डैशबोर्ड बनाने और एचआर से संबंधित निर्णय और पहल करने के लिए विश्लेषणात्मक एआई उपकरणों का उपयोग करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन और समन्वयन बीएमडीसी टीम द्वारा किया गया।

एआई के महत्व पर जोर

अतिथियों द्वनारा एचआर कार्यों में एआई का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए, यहाँ अर्जित सीख को व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए आह्वान किया। कार्यशाला का समापन कार्यपालक निदेशक पवन कुमार और मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी की उपस्थिति में हुआ।

प्रदूषण का फंड दूसरे मद में निगम कर रही उपयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सांसद विजय बघेल द्वारा शहरी क्षेत्रो में औद्योगिकीकरण, जनसंख्या वृद्धि एवं अन्य कारणों से प्रदूषण के बढ़ते स्तर के संबध में लोकसभा में प्रश्न उठाया। दुर्ग लोकसभा के शहरी क्षेत्रो में वर्तमान में बढ़ते प्रदूषण के कारण वायु गुणवत्ता में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वायू प्रदूषण को दूर किये जाने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा नगर पालिक निगम दुर्ग को 3 वर्षो में 27.42 करोड़ एवं नगर निगम भिलाई को 4 वर्षो 54.40 करोड़ की राशि आबंटित की गई है। इस राशि

- सांसद बघेल ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

का नगर निगम द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार व्यय किये जाने हेतु विषय लोकसभा में उठाया गया। विगत वर्षो में दोनों नगर निगम द्वारा वायु प्रदूषण हेतु प्राप्त राशि का प्रयोग अन्य मद में किये जाने की शिकायत सांसद को प्राप्त होती रही है। इस विषय को सांसद द्वारा केन्द्र सरकार के ध्यान आर्कषण में लाया गया।

एमआरडी विभाग ने वेल्थ फ्रॉम वेस्ट से दिया योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र का मटेरियल रिकवरी डिवीजन वेल्थ फ्रॉम वेस्ट बनाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। एमआरडी ने 1,81,611 टन अनप्रोसेस्ड एलडी स्लैग को विक्रय हेतु तैयार किया, जो 2023 में बनाये 55,711 टन के रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। इससे संयंत्र के उत्पादन की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान हुआ। स्लैग प्रोसेसिंग के माध्यम से डिवीजन ने 1,54,919.12 टन "स्क्रैप" को एलडी स्लैग से पुनः प्राप्त किया। इसने <\\>/"ओएच स्क्रैप 0-80<\\>/" के लिए एक नया बाजार खोला, जिससे बहुत अधिक मात्रा में राजस्व उत्पन्न हुआ। स्लैग उपयोग दर 85% तक पहुंची, जो एबीपी के 80% लक्ष्य से अधिक है। इस बिक्री से एमआरडी ने राजस्व सृजन के नए आयाम स्थापित किए हैं।

- अनप्रोसेस्ड एलडी स्लैग को विक्रय के लिए किया तैयार

अवार्ड भी जीते

एमआरडी की सीएफटी सेफ्टी सर्कल टीमों सुरक्षा समर्थऔर कवच ने सीसीक्यूसी (भिलाई चैप्टर) में गोल्ड अवार्ड जीते। इसके अतिरिक्त, क्वालिटी सर्कल टीम <\\>/"समर्थ ने सीसीक्यूसी (कोयंबटूर चैप्टर) में गोल्ड अवार्ड जीता। सीजीएम सुशील कुमार ने इन टीमों और कर्मचारियों को उनके निरंतर प्रयास के लिए हौसलाआफजाई की। जीएम आलोक कुमार माथुर व दिनामनी नायक ने इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टाउनशिप के खेल मैदान बने अराजक तत्वों के अड्डे

कहां खेलें बच्चे, खिलाड़ी कैसे करें प्रेक्टिस

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

टाउनशिप में खेल मैदान के अराजक तत्वों के अड्डे बन जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत खिलाड़ियों और वाकिंग करने वाले आम लोगों को हो रही है। शाम होते ही मैदानों में नशा करने वाले लड़के दोपहिया व कारों के साथ जुटने लगते हैं।

बीएसपी टाउनशिप के मैदानों में अराजक तत्वों की समस्या अब बढ़ती जा रही है। इसके चलते विभिन्न सेक्टरों के लोगों के समाने यह दिक्कत आ रही है कि बच्चों को खेलने कहां भेजें। खुद भी वाकिंग करने जाएं तो कहां जाएं। पेशेवर खिलाड़ी भी आखिर प्रेक्टिश कहां करें। अधिकतर सेक्टरों में स्कूलों के मैदान और अन्य कई खेल मैदान शाम होते ही अराजक तत्वों की अराजक गतिविधियों के केंद्र बन जाते हैं। सेक्टर 1, 2, सेक्टर 5, 6,7 सेक्टर 8 और जयंती स्टेडियम मैदान, सिविक सेंटर मान्यूमेंट आदि कई पब्लिक प्लेसों में शाम से रात दस 11 बजे तक शराब व गांजा पीने वालों का जमावड़ा लगा रहता है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि कुछ मैदानों में अब लड़कों के साथ लड़कियां भी खुलेआम दारु पी रही हैं। शराब पीने के बाद नशेड़ी मोबाईल पर तेज आवार में म्यूजिक पर डांस करते हैं। शोर करने से मना करने और आने जाने वालों से उलझते हुए गालीगलौच करते हैं।

बना था चुनावी मुद्दा

मैदान में अराजक तत्वों के जमावड़े से बच्चों महिलाओ और बुजुर्गों को वाकिंग करने की समस्या आ रही है। खिलाड़ियों खासकर महिला खिलाड़ियों को परेशानी हो रही है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पिछल दस पंद्रह साल से यह मैदानों में अराजकता की समस्या अधिक बढ़ी है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी व पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय मैदानों में अपराधियों व अराजकों के जमावड़े को चुनावी मुद्दा भी बनाया था। लोगों ने कई बार पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग भी की थी।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, शनिवार 14 दिसंबर 2024

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at - 9755819129

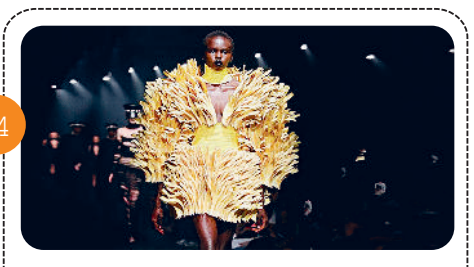

फर का उजाला

लाइव इवेंट

समुद्री क्षेत्रों में सतह के तापमान में अंतर के कारण बनते हैं चक्रवात

दुर्ग। शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के तत्वाधान में उष्णकटिबंधीय चक्रवात कि उत्पत्ति और इसके मानवीय जीवन पर प्रभाव पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा यादव ने जानकारी देते हुए बताया की महाविद्यालय के भूगोल परिषद् के द्वारा आयोजित व्याख्यान माला में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति और इनके मानवीय जीवन पर प्रभाव पर शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. केएन प्रसाद का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. केएन प्रसाद ने उष्णकटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति एवं इसके मानवीय जीवन पर प्रभाव पर नई जानकारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उष्णकटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति समुद्री क्षेत्रों में समुद्री सतह के तापमान में अंतर के कारण होती है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति विशेष दशाओं में होता है। इन चक्रवातों का प्रभाव हमें समुद्री तटीय क्षेत्रों में और स्थल क्षेत्रों में रहने वाली मानवीय जीवन पर सीधा प्रभाव देखने को मिलता है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति समुद्री क्षेत्रों में होती है और तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ स्थलीय क्षेत्रों में मानवीय क्रियाकलापों को भी प्रभावित करती है। कार्यक्रम का संचालन नितिन कुमार, सहायक प्राध्यापक जनभागीदारी ने किया। इस कार्यक्रम में सुनीता बेर, किरण साहू सहित अन्य मौजूद थे।

लाइव इवेंट

बैडमिंटन चैम्पियनशिप में राजहरा ने सीआईटी को हराकर खिताब किया हासिल

भिलाई। भिलाई इस्पात सयंत्र के क्रीड़ा सांस्कृतिक एव नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा बीएसपी इंटर डिपार्टमेंट बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीएसपी इंडोर स्टेडियम में में आयोजित प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में कुल 32 टीमों ने भाग लिया। महिला वर्ग में 14 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग का फाइनल सीआईटी विभाग और राजहरा माइंस के बीच खेला गया। इसमें राजहरा माइंस ने संघर्ष पूर्ण मुकाबले में सीआईटी विभाग को हराकार किताब पर कब्जा किया। पहले खेले गए सिंगल्स में राजहरा माइंस के कपिल नायडू ने संघर्ष पूर्ण मुकाबले में टी. भुरिल को तीन सेट के मुकाबले में 23-21, 21-12 और 21-11 से हरा कर पहला सिंगल मैच राजहरा के नाम किया। दूसरे मैच में सीआईटी के सलीम कुरैशीऔर टी भुरिल की जोड़ी ने शानदार खेलते हुए राजहरा माइस के कपिल नायडू और एसके व्यास को 18-21, 21-17 ,22 -20 से हराया। अंतिम सिंगल मुकाबले में राजहरा माइंस के एसके व्यास ने सलीम कुरैशी को हराकर खिताब पर कब्जा किया। वहीं महिला वर्ग में एम लता पिल्लई (मार्केटिंग विभाग) विजेता एवं भारती चौधरी (आरसीएल विभाग) उप विजेता रहीं।

सिटी इवेंट

विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर डी गुकेश को जिला शतरंज संघ दुर्ग ने दी बधाई

दुर्ग। भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश ने इतिहास रचते हुए सबसे कम उम्र के शतरंज के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। सिंगापुर में आयोजित वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को 14 वें और अंतिम बाजी में हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, सचिव तुलसी सोनी एवं जिला शतरंज संघ दुर्ग के सदस्यों ने डी गुकेश के विश्व चैंपियन बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे भारत में शतरंज के प्रति लोगों का रुझान बढ़ेगा। इससे पहले भारत के ग्रैंड मास्टर विश्वनाथ आनंद भी पांच बार के विश्व चैंपियन रहे हैं। इसी साल 2024 में भारतीय शतरंज टीम ने हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित 45 वें चेस ओलंपियाड में गोल्ड मेडल हासिल कर इतिहास रचा था। जिला शतरंज संघ दुर्ग के संरक्षक प्रवीण आड़तिया, राजेश राजा, डॉ. राहुल गुलाटी, मानसी गुलाटी, अशोक राठी, प्रहलाद रुंगटा, उपाध्यक्ष दिनेश जैन, ललित वर्मा, मोरध्वज चंद्राकर, दिनेश नलोंडे आदि ने बधाई दी है।

● समापन समारोह में आईआईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर राजीव प्रकाश मुख्य रूप से हुए शामिल

10 राज्यों की 25 टीमों ने 36 घंटे तक सॉफ्टवेयर के जरिए कम्प्यूटर कोडिंग कर मंत्रालयों की समस्याओं के समाधान तलाशे, 6 पुरस्कृत

रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने हैकाथॉन-2024 का आयोजन किया गया। इस अनोखे आयोजन में देश के 10 राज्यों की 25 टीमों ने भाग लिया। इस हैकाथॉन के लिए इन टीमों को देश के विभिन्न मंत्रालयों की समस्याएं बताई गई थी, जिसका तकनीकी विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर के जरिए समाधान देना था। इसके लिए टीम को कॉलेज में सभी जरूरी सुविधाएं दी गईं, जिससे छात्रों ने 36 घंटे नॉन स्टाप कंप्यूटर कोडिंग के जरिए एक से बढ़कर समाधान पेश किए। इनमें से 6 टीमों को पुरस्कार दिया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता टीमों को एक लाख रुपए का चेक दिया गया। प्रतिभागी टीमों ने एक से बढ़कर एक सुझाव दिए, जिसकी जमकर प्रशंसा हुई।

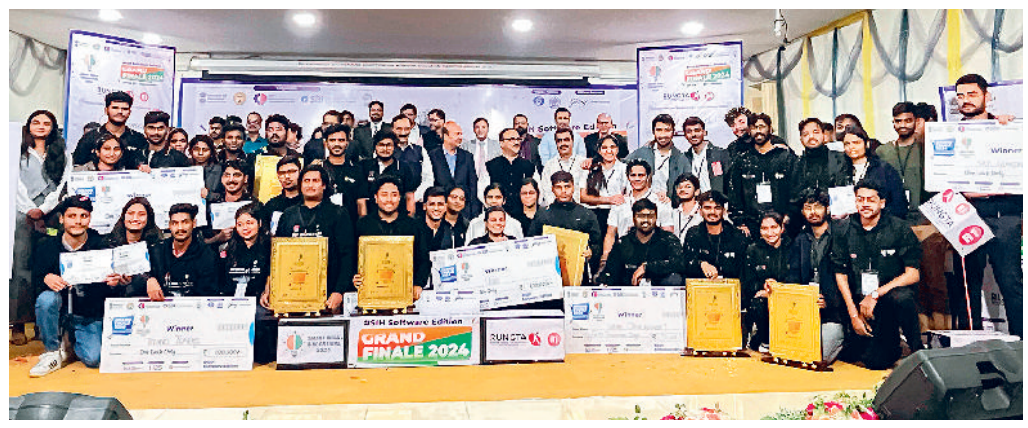

भिलाई। रूंगटा आर-1 में हुए इस दो दिवसीय आयोजन के समापन समारोह में आईआईटी भिलाई के डॉयरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश प्रमुख रूप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि देश को विकसित भारत का तमगा दिलाने में यंग माइंड्स का रोल सबसे अहम रहेगा। हमारे इनोवेशन आइडिया की बदौतल हम दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाएंगे। कुल मिलाकर विश्व में हम ही पायनियर और हम ही फस्ट होंगे। यह बातें गुरुवार को रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज में चल रहे दो दिवसीय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के समापन सत्र के मुख्य अतिथि

आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने कहीं। उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा दौर की शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों को भरपूर आजादी से पढने, सीखने और कुछ बनने का विकल्प देती है। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की खूबी का फायदा उठाते हुए तकनीकी छात्रों को वन इनोवेशन वन स्टार्टअप की तर्ज पर आगे बढ़ना चाहिए। नई शिक्षा नीति छात्रों को मल्टीपल एंटी और एग्जिट का विकल्प देती है। इसका मतलब यह है कि आप अभी अपने इनोवेशन को अभी स्टार्टअप में बदल लीजिए। इस पर शुरू काम कीजिए। पढ़ते हुए ही कमाई का जरिया बनाइए। डायरेक्टर ने स्टार्टअप को प्रमोट करने सरकार से लेकर शैक्षणिक संस्थानों की नीति भी छात्रों को समझाई। कहा कि आइडिया दमदार हुआ तो सरकार ही नहीं बल्कि आईआईटी भिलाई भी आपके स्टार्टअप को बिजनेस की शक्ल तक पहुंचाने में मदद करेगा, फंड देगा। एक्सपर्ट सपोर्ट भी उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में रूंगटा ग्रुप के चेयरमैन संतोष रूंगटा, डायरेक्टर डॉ. सौरभ रूंगटा, डायरेक्टर सोनल रूंगटा, डायरेक्टर जनरल डॉ. मनीष मनोरिया, डायरेक्टर डॉ. मनोज वर्गीस, डॉ. एडविन एंथोनी, डॉ. एजाजुद्दीन मौजूद रहे।

शहर के कौन से इलाके में कितना प्रदूषण बताएगा वायु दृष्टि

शहर के कौन से इलाके में कितना प्रदूषण है। वहां की हवा की गुणवत्ता का स्तर क्या है। एयर क्वालिटी इंटेक्स यानी एक्यूआई में ओजोन, नाइट्रोजन डाइ ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड मानक से अधिक तो नहीं? यह सबकुछ अब इंजीनियरिंग छात्रों का बनाया सॉफ्टवेयर हार्डवेयर टूल वायु दृष्टि बताएगा। रूंगटा आर-9 इंजीनियरिंग कॉलेज में चल रहे स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के ग्रैंड फिनाले में छात्रों ने अपनी इस टेक्नोलॉजी का डेमो दिया। टूल को प्रदर्शित करते हुए बताया कि, भिलाई हो या फिर दिल्ली सभी जगहों पर प्रदूषण की मात्रा लेने एक्यूआई मीटर लगाए जाते हैं, जिससे सिर्फ उसी क्षेत्र के प्रदूषण के बारे में जानकारी मिलती है। इंजीनियरिंग छात्रों का बनाया वायु दृष्टि टूल पूरे शहर के हर एक-एक कोने के प्रदूषण का हाल बता सकता है। इंजीनियरिंग छात्रों ने इसे शहरों में चलने वाली सिटी बसों के ऊपर इंस्टॉल करने के लिए तैयार किया है। यह टीम भी विजेता बनी।

छात्रों ने पोर्टबल एक्यूआई मशीन की तैयार, करती है रिपोर्ट अपडेट

छात्रों ने इस टूल को पोर्टबल बनाया है, जिसे सिर्फ पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर फिट करने से वह पूरे शहर के एक्यूआई की डेली रिपोर्ट अपडेट करता रहेगा। बस या पब्लिक ट्रांसपोर्ट जिस भी रूट में जाएंगे, यह टूल उस रूट के एक्यूआई की रियल टाइम स्थिति अपनी वेबसाइट और ऐप पर अपलोड कर देगा। उस शहर में रहने वालों के साथ-साथ पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड को भी हर बार एक्यूआई बढ़ते ही पॉपअप मैसेज मोबाइल पर दिखने लगेंगे।

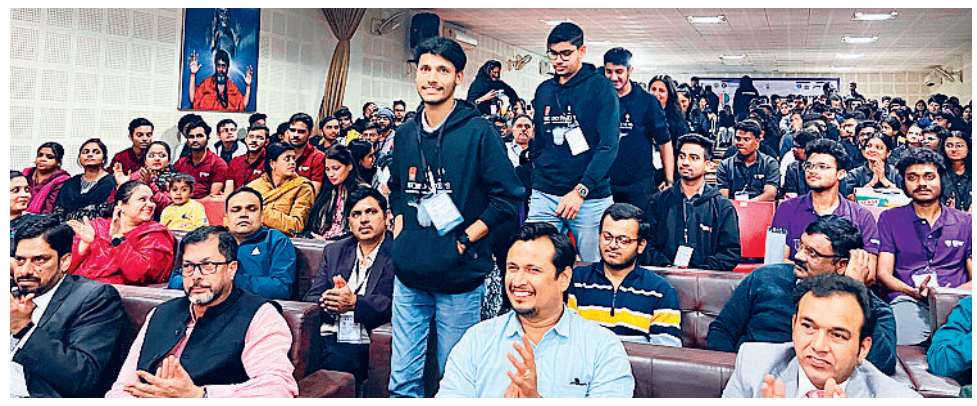

समाजसेवा क्षेत्र की महिलाओं को किया सम्मानित

भिलाई। मैत्री बाग में छत्तीसगढ़ महतारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विधि समाजसेवा एवं ऐसी ही गतिविधियों से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नवीन जैन प्रबंधक उद्यानिकी विभाग भिलाई इस्पात संयंत्र एवं अध्यक्षता रउफ कुरैशी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत डीएसपी कमर खान, संजय बोहरा, ललित यादव सुल्तान मिर्ज़ा उपस्थित थे। सम्मान समारोह में अधिवक्ता आबदा खान, रूबी नाज, संगीता जैन, सुनीता संजय बोहरा, किरण यादव, मेघा कौर को सम्मानित किया गया। साथ ही उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को भी स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साईं म्यूजिकल ग्रुप इंडिया दुर्ग के कलाकारों शारिक अली मन्नी ,अनिल गुप्ता, सरोज दुबे के साथ ललित यादव, गायत्री वर्मा ने नए-पुराने गीतों को अपनी आवाज़ प्रदान कर मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर साईं म्यूजिकल ग्रुप इंडिया के डायरेक्टर हाज़ी मिर्ज़ा साजिद बेग ने हमेशा की तरह अनोखे अंदाज में अपने गीतों से सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पर्यटकों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शारिक अली मन्नी ने किया। कार्यक्रम में जीपी पांडियन, मंजीत सिंह, नंदलाल सोनी, उमेश, शब्बीर भाई, सादिक भाई आदि मौजूद थे।

कामधेनु विश्वविद्यालय की डॉ. सलिमा कादरी को मिला डॉ. जीबी सिंह मेमोरियल अवार्ड

भिलाई। दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग के अंतर्गत संचालित पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा में कार्यरत डॉ. सलिमा कादरी सुपुत्री प्रोफेसर अफिफ कादरी को लुधियाना पंजाब में इंडियन सोसायटी फॉर स्टडी ऑफ़ एनिमल रिप्रोडक्शन के वार्षिक अधिवेशन में उनके उत्कृष्ट अनुसंधान बकरी में स्टेम सेल्स के लिए डॉ. जीबी सिंह मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सलिमा कादरी ने अपने स्नातकोत्तर की पढ़ाई (स्वर्ण पदक) जबलपुर से तथा पीएचडी दुवासु मथुरा से मेरिट में उत्तीर्ण किया है। उन्होंने बकरी में स्टेम सेल्स पर अनुसंधान केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम से किया। डॉ. सलिमा की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति, अधिष्ठाता एवं निदेशक विस्तार शिक्षा, वित्त अधिकारी, निदेशक अनुसंधान सेवाएं, निदेशक शिक्षण, निदेशक चिकित्सालय, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं अन्य प्राध्यापकगणों ने बधाई दी है।

युवाओं में दिल की बीमारी, आलसी जीवनशैली और खानपान बड़ा कारण

उम्र नहीं, लाइफ स्टाइल से तय होती दिल की सेहत : डॉ. आकाश

कार्नर न्यूज

आजकल हार्ट अटैक का खतरा केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा। तेजी से बदलती जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर आदतों के कारण यह समस्या युवाओं में भी बढ़ रही है। आलसी जीवनशैली और गलत खानपान युवाओं में हार्ट अटैक का सबसे बड़ा कारण हैं। विशेषज्ञों की मानें तो बीते तीन सालों में 40 प्रतिशत हृदय रोगियों की संख्या बढ़ी है। युवाओं में भी हार्ट अटैक के 25 प्रतिशत मामले बढ़े हैं।

युवाओं में हार्ट अटैक के मामलों की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण खराब जीवनशैली है। अनियमित खानपान, तली-भुनी चीजों का अधिक सेवन, और जंक फूड का चलन, धूम्रपान एवं शराब का सेवन इस समस्या को और बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, शारीरिक गतिविधियों की कमी भी एक बड़ा कारण है। आरोग्यम अस्पताल के कॉर्डियोलाजी विभाग के प्रमुख डॉ. आकाश बक्शी ने बताया कि आलसी जीवनशैली और गलत खानपान हृदय रोग के लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। दफ्तरों के काम को लेकर हद से अधिक तनाव, अपने डेली रूटीन का ख्याल ना रखना, बहुत कम सोना और जरूरत से ज्यादा शराब और सिगरेट पीने जैसी आदतें आपके दिल को बीमार बनाती जा रही हैं।

रक्त संचार में कमी अटैक का कारण, इसे बेहतर करने एक्सरसाईज जरूरी

एक्सरसाइज की कमी के कारण मांसपेशियों के कम संकुचन से ब्लड सर्कुलेशन भी कम हो जाता है। इससे हृदय वाहिकाओं में रक्त का संचार कम होता है जो कि हार्ट अटैक का कारण बनता है। सर्दी की तेजी के कारण हार्ट के आस पास की नसें सिकुड़ जाती है। इस पर भी रक्त गाढ़ा हो जाता है। हार्ट स्वयं को रक्त की सप्लाई करने के साथ ही शरीर को सप्लाई करता है। गाढ़ा होने से नसों में जोर पड़ने लग जाता है तो हार्ट अटैक का कारण बनता है। हार्ट अटैक के युवाओं में सबसे अधिक निजी क्षेत्रों में काम करने वाले सामने आ रहे हैं। आठ घंटे की बजाए 12- 14 घंटे से अधिक कार्य करना, कार्य की चिंता सबसे अधिक हार्ट अटैक का कारण बन रहा है। शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न सर्दी में सबसे अधिक हार्ट अटैक का कारण बनता है। बुजुर्गों की बजाए युवाओं में नसों में रुकावट तेजी से बढ़ती है। इस कारण हार्ट अटैक होने पर उन्हें बचने का मौका नहीं मिलता। किसी भी प्रकार की हृदय संबंधी समस्या को हल्के में न लेकर तुरन्त विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें।

लगातार बढ़ते खतरे से बचाव के उपायों के बारे में भी जानिए

ठंड से बचने के लिए गर्म पकड़ों का उपयोग करें, सर्दियों में त्योहारी एवं वैवाहिक सीजन में ज्यादा तेल मसाले एवं मांसाहार से बचें। संतुलित आहार, जैसे ताजे फल, सब्जियां और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाएं। तले-भुने और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थ से बचें। हल्का व्यायाम जैसे योग, वॉकिंग या स्ट्रेचिंग करें। अत्यधिक व्यायाम से बचें। धूम्रपान और शराब से बचें, ठंड में बुखार या सर्दी-जुकाम के लिए कोई भी दवा लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। नियमित रूप से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराएं। ध्यान और मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं। गर्म पेय पिएं: ग्रीन टी, अदरक की चाय, या गर्म पानी का सेवन करें।

सिटी इवेंट

स्लोगन और कविता पाठ कर बताया सुशासन दिवस का महत्व

भिलाई। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय दुर्ग द्वारा सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर परिचर्चा, स्लोगन, कविता पाठ, गीत-संगीत का आयोजन भी किया गया साथ ही छात्र द्वारा दिये गए बांसुरी वादन की प्रस्तुति ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक सफल वर्ष पूर्ण होने पर छात्र-छात्राओं ने अपने अनूठे अंदाज में सहभागिता दिखाई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक डॉ जी ए घनश्याम, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर और कार्यालय प्रमुख यशवंत साहू प्रमुख रुप से उपस्थित थे। डॉ घनश्याम ने विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा और भाषा के अनोखे प्रयोग से प्रभावित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सुशासन के महत्व को बताया और स्वलिखित कविता के सम्प्रेषण से उपस्थित जनों को भाषाओं में अपनी पकड़ का परिचय दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा विभिन्न आयु वर्ग के विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी के साथ समस्याओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ छात्र तपन कुमार ने सुशासन के अर्थ को विस्तार से बताया। इस दौरान स्वाति, सीमा निषाद, तुकेश्वर ने स्लोगन को पोस्टर एवं सम्प्रेषण के माध्यम से प्रस्तुत किया। छात्र जगदीश बामनिया ने कविता रचना कर प्रस्तुति दी, साथ ही पंकज, तामेश्वर ने भी कविता सुनाया। जीव नंदन वर्मा एवं सुरेश बरसागड़े ने परिचर्चा के रूप में सुशासन की विस्तृत व्याख्या की। रजत कुमार ने अपनी सुमधुर बांसुरी वादन से सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी सोहर गीत और तामेश्वर साहू में गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संयोजन डॉ निधि वर्मा एवं आभार जीव नन्दन ने किया ।

- सुशासन दिवस : सकारात्मकता बनने का प्रयास करें डॉ. जीए घनश्याम

एजुकेशन इवेंट

एग्जाम फोबिया से बचने रोज करें बीस मिनट मेडिटेशन व योग

भिलाई। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में एग्जाम फोबिया विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वन्दना और दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मेडिटेशन गुरु डॉ. के.सी.भगत, दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य डॉ. नीतू सिंह, सभी संकाय की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापक एवं समस्त छात्राएं उपस्थित रहे।

- महाविद्यालय में एग्जाम फोबिया पर एक दिवसीय कार्यशाला

इस दौरान डॉ भगत ने अपने वक्तव्य में आने वाले दिनों में होने वाली परीक्षाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि एग्जाम फोबिया एक प्रकार का मानसिक तनाव या डर है, जो छात्रों को परीक्षा के दौरान महसूस होता है। एग्जाम फोबिया के कारण विद्यार्थियों की प्रदर्शन क्षमता प्रभावित हो सकती है और उनकी मानसिक तथा शारीरिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए बहुत से उपाय बताए।

टाइम मैनेजमेंट पर दिये टिप्स

जिसमें सबसे महत्वपूर्ण समय प्रबंधन तथा खान-पान को बताया। उचित आहार एवं समय का सही तरीके से उपयोग करने से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है इसके साथ-साथ पर्याप्त नींद लेना एवं प्रतिदिन दस हजार कदम चलना आवश्यक बताया। जिससे शुगर, बीपी, थाइराइड जैसी विभिन्न प्रकार की बीमारियों को दूर किया जा सकता है। छात्राओं को एग्जाम फोबिया से बचने के लिए प्रतिदिन बीस मिनट मेडिटेशन व योगा करने को कहा तथा लिखकर, पढ़ने और समूह चर्चा को सबसे महत्वपूर्ण तरीका बताया। कमजोर छात्राओं के लिए काउन्सिलिंग के द्वारा उनकी समस्याओं को दूर करने की सलाह दी। कार्यशाला के अंत में छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नोत्तरी का निदान एवं उपाय बताया गया। कार्यशाला में आभारानी गुप्ता, किरण वैष्णव, नीलमणि त्रिपाठी सहित अन्य जन उपस्थित रहे। मंच संचालन बिन्दु कश्यप और आभार व्यक्त डॉ. संगीता वर्मा द्वारा किया गया।

● साई महोत्सव में बिखरी छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की छटा

रंगोली व पूजा की थाल सजाओ प्रतियोगिता में आकर्षक कलाकृतियों ने श्रद्धालुओं का जीता दिल, आज समापन

दुर्ग। कसारीडीह सिविल लाइन स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में 48वें वार्षिक साई महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं का मेला लगा हुआ है। तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को श्रद्धालुओं के अलावा जनप्रतिनिधि भी दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव, समाजसेवी पायल जैन, पार्षद नजहत परवीन,पूर्व पार्षद अल्ताफ अहमद के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों ने श्री साई बाबा की पूजा अर्चना कर शहर की सुख समृद्धि के लिए कामना की। दोपहर बाद रंगोली व पूजा की थाल सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जूनियर व सीनियर वर्ग के लिए आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में कुछ प्रतिभागियों ने श्री साई बाबा की हुबहू तस्वीर बनाकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति की बिखरी छटा

इसके पहले महोत्सव के प्रथम दिन रात में छत्तीसगढ़ी संस्कृति कार्यक्रम की छटा बिखरी। प्रसिद्ध लोक कलाकार पुराणिक साहू कृत लहरगंगा के कलाकारों ने अपने गीत संगीत व नृत्य की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर बतौर अतिथि शामिल हुए। विधायक द्वय ने आयोजन की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं को साई महोत्सव की बधाई दी। इस दौरान दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने आयोजन समिति की मांग पर सिविल लाइन क्वार्टर ग्राउंड कार्यक्रम स्थल पर डोमशेड निर्माण के लिए 20 लाख की राशि देने की घोषणा भी की। साई महोत्सव का आज समापन होगा। अंतिम दिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन किया गया है। रात्रि 8 बजे श्री साई बाबा की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा उपरांत महोत्सव का समापन होगा।

रंगोली और थाल सजाओं में दिखा उत्साह

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़, पर्यावरण, शिक्षा व अन्य विषयों पर रंगोली की संदेशवाहक कलाकृतियो ने निर्णायक मंडल को भी काफी प्रभावित किया। पूजा की थाल सजाओ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा आकर्षक थाल सजाने की कला का प्रदर्शन कर श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। रंगोली व पूजा की थाल सजाओ प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के दौरान आयोजन समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी कला की सराहना की गई। दोनों प्रतियोगिताओं के परिणाम 19 दिसंबर, गुरुवार को घोषित किए जाएंगे। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी पुरस्कृत किए जाएंगे।साई महोत्सव के दौरान सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेंद्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष धीरेंद्र शर्मा, शिवाकांत तिवारी, सह सचिव संतोष यदू , कोषाध्यक्ष सुजीत गुप्ता, प्रचार सचिव सुरेश साहू, अजय सुरपाम, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद वोरा, कौशल किशोर सिंह, डॉ. सुधीर हिशिकर, संजय लाखे, विनय चंद्राकर, संतोष खिरोड़कर, गणेश निर्मलकर, नरेंद्र राठी, राकेश सेन, सुनील श्रीवास्तव, नारायण दत्त तिवारी, मुरलीधर राउत, नितिन शेंडे, पंडित शरद दुबे, अरविंद लोखंडे, प्रशांत राउत, श्रीधर भजने, रोमनाथ साहु, प्रभाकर राव पाटने, विपिन बोहरा, जयंत खिरोडकर, अनिकेत यादव, प्रीति राजपूत, संध्या साहू, दीप्ति राउत के अलावा अन्य सदस्यगण व श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

आध्यात्मिक सत्संग...

श्रीकृष्ण ने 574 श्लोकों के साथ 45 मिनट तक अर्जुन को दिया था गीता उपदेश

भिलाई। गीता जयंती के अवसर पर आर्य समाज मंदिर आर्य नगर दुर्ग में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आर्य समाज के अनुयायी सहित अनेक जन उपस्थित थे। इस अवसर पर आचार्य डॉ अजय आर्य ने गीता जयंती पर संदेश दिया। सत्संग के दौरान डॉ अजय आर्य ने कहा कि गीता भारतीय धर्म ग्रंथो में अमर ग्रंथ है। यह महाभारत का अंग है। गीता मनुष्य मात्र को काम क्रोध लोभ से दूर होकर कल्याणकारी जीवन जीने का संदेश देती है। गीता में यम नियम, राजनीति, युद्ध, सृष्टि उत्पत्ति, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत आदि की चर्चा है।

अपने सत्कर्मों के फूल से सजाएं पूजा की थाली

आचार्य ने बताया कि सामान्य रूप से माना जाता है कि आर्य समाज गीता को नहीं मानता। जबकि सच्चाई यह है कि आर्य समाज वेद अनुकूल सभी धर्म ग्रंथो को मानता है। वेद सृष्टि का आदि ग्रंथ है। स्वामी श्रद्धानंद के अनन्य शिष्य पंडित बुद्धदेव विद्यालंकर ने गीता का भाष्य लिखा है। यह ग्रंथ बहुत ही तार्किक ढंग से गीता के मंतव्य को स्पष्ट करता है। यह भाष्य सामर्पण भाषा के नाम से जाना जाता है। यह ग्रंथ समर्पण शोध संस्थान गुरुकुल प्रभात आश्रम मेरठ से प्रकाशित है। गीता में संदेश दिया गया है कि अगर हम अपनी पूजा की थाली सजाना चाहते हैं तो उसे हमें अपने सत्कर्मों के फूल से सजाना चाहिए। गीता पढ़ने वाला व्यक्ति कभी अवसाद ग्रस्त नहीं होता।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया गीता का उपदेश

गीता में लगभग 700 श्लोक हैं। श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी और दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कार्यक्रम में मंत्री अवनी भूषण पुरंग,कार्यालय मंत्री रवि आर्य , डॉ अजय आर्य मनोज ठाकरे इंद्र कुमार आर्य,कृष्णमूर्ति आर्य, हिमांशु आर्य, तुषार आर्य, कैलाश महाजन आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला

बच्चों में शैक्षिक कौशल का निर्माण कर विकास करने दिया प्रशिक्षण

संस्था
हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया ने दिया शिक्षकों को प्रशिक्षण

भिलाई। विद्यालय नहीं आने वाले छात्रों के संदर्भ में प्रशिक्षण प्रदान करने संस्था हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रिसाली में आयोजित किया गया। इसमें शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों के साथ शिक्षक भी शामिल हुए। इस कार्यशाला में शाला त्यागी बच्चे या किसी अन्य कारणों से शाला नही आने वाले बच्चों पर फोकस कर उनका जीवन उपयोगी बनाने शिक्षकों को ट्रेनिंग दी गई। समग्र शिक्षा की सहायक परियोजना अधिकारी गीता शर्मा, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक दुर्ग, संस्था से राजू लाल बैरवा, अर्नब गांगुली, राकेश कुमार सोनवानी सहित अन्य सदस्य इस दौरान उपस्थित रहे। इस दौरान सहायक परियोजना अधिकारी गीता शर्मा ने कहा कि शिक्षा के स्तर को सुधारना आवश्यक है तथा छात्रों के सीखने के परिणाम में वृद्धि करना है स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर समानता और समावेश सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है। उन्होंने शिक्षकों को बताया कि बच्चों को सीखाएं, जीवनोपयोगी कला प्राथमिक स्तर के बच्चों में शैक्षिक कौशल का निर्माण करने से लेकर उनके समग्र विकास पर भी चर्चा हुई। संस्था द्वारा तैयार किए गए कदम टूल किट के बारे में भी शिक्षकों को बताया गया। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को टिप्स देते हुए कहा कि बच्चों में वास्तविक जीवन के कौशल का संग्रह करें और बच्चों में आधारभूत शैक्षिक कौशल को मजबूती दे। जिससे बच्चों के प्राथमिक जीवन में गुणो का विकास हो सके। संस्था द्वारा बच्चों को जीवन में अपनी प्रतिभा को उभारने और शैक्षणिक कौशल को मजबूत करने का गुर सिखाया जा रहा है ।

52वें राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 का हुआ उद्घाटन

प्राकृतिक खेती, कचरे, आपदा प्रबंधन व टर्निंग में सेंसर ब्रेकर पर बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किये मॉडल

कार्नर न्यूज

भिलाई। 52वें राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 का आयोजन केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आपदा प्रबंधन, भोजन, स्वास्थ्य और स्वच्छता, गणितीय मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल सोच, कचरे का प्रबंधन, परिवहन एवं संचार, प्राकृतिक खेती, संसाधन प्रबंधन विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा मॉडल प्रस्तुत किए गए। प्रतियोगिता में 117 छात्र, 74 छात्राओं सहित 233 लोगो ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ी नृत्य सरस्वती वंदना भरतनाट्यम के माध्यम से रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

वैज्ञानिक बुद्धि कभी निराश नहीं होती

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने कहा कि वैज्ञानिक बुद्धि कभी निराश नहीं होती। हम सबको वैज्ञानिक बुद्धि से सोचना आना चाहिए। हमारा देश अभी भी विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने में बहुत पीछे हैं। इसका कारण यही है कि हम वैज्ञानिक ढंग से सोचने और उसे जीवन में इंप्लीमेंट करने की दिशा में भरपूर काम नहीं कर रहे हैं। यह मंच वैज्ञानिक बुद्धि को उत्पन्न करने में नींव का पत्थर साबित होगा।

ये रहे निर्णायक

वैज्ञानिक प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ अनिल कुमार सुमन, डॉ ज्योति बख्शी, रुमित कुमार साहू, गुरमीत सिंह गहिर, डॉ अजय कुमार वर्मा, डॉ. कविता साकुरे, मुकेश वासनिक, अक्षत सिंह गौर, डॉ सोरेन सरकार, डॉ शिम्पी रल्हन,भानु प्रिया, सुरभि श्रीवास्तव, डॉ. मीनाक्षी भारद्वाज, डॉ दिलीप दास उपस्थित रहे।

विज्ञान हमारी दिनचर्या में शामिल

मुख्य अतिथि विवेक चौहान सहायक आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग ने कहा कि हमारे जीवन में विज्ञान को हम आसपास के दिनचर्या में कई सिद्धांतों को शामिल करते हैं लेकिन हमें वह ज्ञात नहीं होता। न्यूटन के पहले भी गुरुत्वाकर्षण था और उसके प्रयोग थे। उन्होंने उसे स्पष्ट करके नई दृष्टि से देखा और दुनिया के सामने रखा और भी महान वैज्ञानिक बने। विज्ञान के ज्ञान को नए ढंग से लागू करना सीखना है। मुख्य अतिथि द्वारा कला आधारित अधिगम पर राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में अपनी प्रस्तुति देने वाले रचना पाल एवं बिंदु सिवराजन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय आर्य एवं बिंदु शिवराजन द्वारा किया गया।

सिटी स्पोर्ट्स

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में मैच ड्रा छत्तीसगढ़ के आर्यन ने लिए 5 विकेट

रायपुर। बी सी सी आई द्वारा मेंस अंडर 16 विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी 2024 का आयोजन 06 दिसंबर से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा तीन दिवसीय मैच (11-13 दिसंबर) शिमोगा में पंजाब अंडर 16 टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ अंडर 16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 103.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 225 रन बनाये। पंजाब की ओर से कप्तान उमेश गिल ने 91 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त पारस ने 51 रन बनाये। छत्तीसगढ़ टीम की ओर से आर्यन सिंह ने 5 विकेट तथा वेदांत जैन ने 2 विकेट प्राप्त किए। छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 89.1 ओवरों में 10 विकेट खोकर 242 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से आदित्य वर्मा ने 71 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त वेदांश खेडिया ने 48 रन तथा अमेया मोरे ने 41 रनों का योगदान दिया। पंजाब की ओर से साक्ष्य ने 6 विकेट तथा ईशान ने 3 विकेट प्राप्त किये। मैच की समाप्ति तक पंजाब ने 51 ओवरों में 3 विकेट खोकर 98 रन बना लिये थे। पंजाब की ओर से गुरसिमरन ने 40 रन बनाये वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से आर्यन सिंह ने 2 विकेट प्राप्त किये। मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में बढत के आधार पर 3 अंक प्राप्त किये।

खूब लगा रहे चौके-छक्के बैंक अफसर, फाइनल आज

रायपुर। यूनियन बैंक ऑफिसर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ इकाई के तत्वावधान में आल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) क्रिकेट लीग 2024,, लीग स्टेज पूल ए के मैच एक दिसम्बर को रियाज क्रिकेट अकादमी, रायपुर में खेले गए जिसमे प्रथम दो स्थानों पर क्रमशः ब्लैक पैंथर्स और भिलाई बुल्स रहे। पूल बी के मैच रियाज क्रिकेट अकादमी, रायपुर में खेले गए। जिसमे प्रथम दो स्थानों पर क्रमशः रायपुर स्ट्राइकर्स एवं बिलासपुर आरपा वरियर्स रहे। सेमी-फाइनल एवं फाइनल मैच भिलाई इस्पात संयंत्र, क्रिकेट मैदान सेक्टर-1 भिलाई में 14 दिसम्बर को आयोजित किए जाएंगे। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार एवम महासचिव रवि दुबे ने बताया कि मैच देखने के लिए बी.पी. दास अंचल प्रमुख भोपाल, महाप्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं अनुज कुमार क्षेत्र प्रमुख एवम उपमहाप्रबंधक,, रायपुर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया उपस्थित रहेंगे। मैच के मुख्य अतिथि नरेन्द्र कुमार बंछोर सेफी प्रमुख एवम बीएसपी ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष, विशेष अतिथि परविंदर सिंह महासचिव ऑफिसर एसोसिएशन बीएसपी होंगे और कुंतल बघेल महाप्रबंधक ई.आर.एस. बीएसपी भिलाई कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

यूनियन बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार ने सही राम जाखड़ डीजीएम, राजकुमार नैयर एजीएम, रेमी थॉमस वरिष्ठ प्रबंधक, अभिजीत भौमिक, भागवत साहू और बीएसपी के अधिकारियों का विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए मैच देखने आमंत्रित किया है।

राष्ट्रीय खेल में हिस्सा लेने छत्तीसगढ़ स्क्वैश टीम का चयन ट्रायल 18 से

रायपुर। 38वाँ राष्ट्रीय खेल का आयोजन 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखण्ड में होना है। छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय खेल में राज्य से स्क्वैश में प्रतिनिधित्व करने सेलेक्शन ट्रायल 18 दिसम्बर को समय प्रातः 11:00 से सायं 7:00 बजे तक एवं 19 दिसम्बर को सुबह 9:00 बजे से स्क्वैश काम्पलेक्स में आयोजित है। सेलेक्शन ओपन / सीनियर पुरूष एवं महिला वर्ग मे ट्रायल नॉकआउट पद्धति से होना है।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा वालीबाल स्पर्धा में बॉयज़ और गर्ल्स दोनों टीम ने प्री क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। सलेक्शन ट्रायल मे प्रतिभागी 15 से 17 दिसम्बर दोपहर 1:00 बजे तक स्क्वैश कॉम्पलेक्स मे अपनी प्रविष्टि कर सकते है। छत्तीसगढ़ एसोसिएशन के माध्यम से चयनित खिलाड़ियो का प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्क्वैश टीम में 4 पुरूष व 4 महिला प्रतिभागी एवं व्यवस्थापक तथा प्रशिक्षक सम्मिलित होंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति दी

शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत के लिए फायदेमंद है मेडिटेशन, अपनाने पर बदलाव दिखेगा जीवन में

योग और व्यायाम को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जो लोग नियमित रूप से योग का अभ्यास करते हैं उनमें कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा कम होता है। अध्ययनकर्ता कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में मेडिटेशन या ध्यान अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए। जिस तरह से दुनियाभर में मानसिक रोगों को जोखिम बढ़ रहा है, ये एक अभ्यास आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। चूंकि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध शारीरिक सेहत से है, इसलिए मेडिटेशन का अभ्यास संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने में मददगार हो सकता है। मेडिटेशन से होने वाले फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करने और ध्यान अभ्यास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति भी दे दी है। यूएनजीए में भारत के एक सह-प्रायोजित प्रस्ताव जिसमें 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' के तौर पर घोषित करने के लिए कहा गया था, उसपर एकमत से मुहर लगी है। सभी देशों ने इसे स्वीकारते हुए एक तरफ से इसके पक्ष में वोटिंग की थी। मेडिकल साइंस ने भी कई अध्ययनों में पाया है कि मेडिटेशन का नियमित अभ्यास शरीर के लिए कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है, कैसे? आइए जानते हैं।

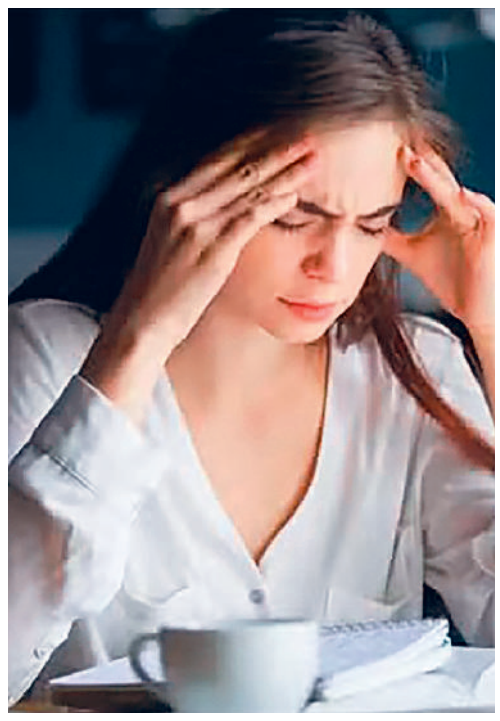

पहले जानिए मेडिटेशन होता क्या है?

मेडिटेशन या ध्यान का अभ्यास आपके दिमाग को ध्यान केंद्रित करने और अपने विचारों को पुनर्निर्देशित करने की प्रक्रिया है। मेडिटेशन के लिए किसी शांत जगह पर आराम से बैठ जाएं। इसके बाद गहरी सांस लें और मन को एक जगह पर केंद्रित करने का प्रयास करें। मेडिटेशन के दौरान अपनी सांसों पर ध्यान देने और मन को एकाग्र करने का प्रयास किया जाता है। कई लोग इसे तनाव कम करने और एकाग्रता विकसित करने का एक तरीका मानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि मेडिटेशन की मदद से सकारात्मक मनोदशा और दृष्टिकोण बनाने, आत्म-अनुशासन स्थापित करने, नींद के पैटर्न में सुधार करने और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने में लाभ मिल सकता है।

मेंटल हेल्थ के लिए बहुत लाभकारी है मेडिटेशन

मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना आपकी मेंटल हेल्थ को ठीक रखने में काफी मददगार हो सकता है। ध्यान के अभ्यास से तनाव कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर तनाव की समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो इसका शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर हो सकता है जिसमें हृदय गति में वृद्धि, नींद से लेकर रक्तचाप तक की समस्याएं बढ़ जाती हैं। साल 2017 में करीब 45 अध्ययनों की समीक्षा से पता चला है कि ध्यान का अभ्यास कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं जैसे इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और फाइब्रोमाइल्जिया में भी लाभकारी है।

नींद की दिक्कत कम करने के लिए करें मेडिटेशन

नींद विकार के शिकार लोगों के लिए भी मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। साल 2014 के एक अध्ययन में माइंडफुलनेस आधारित सेशन के प्रभावों की जांच की गई। इसमें पाया गया कि जिन लोगों ने मेडिटेशन का अभ्यास किया उनमें नींद से संबंधित दिक्कतें कम हुईं। इसकी मदद से अनिद्रा में भी लाभ पाया जा सकता है। यहां ध्यान देना जरूरी है कि जिन लोगों को नींद की दिक्कत बनी रहती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है।

बच्चे के लिए घर में नहीं है स्टडी रूम तो ऐसे रखें उसका सामान

आजकल घरों में बच्चों के लिए अलग से स्टडी रूम बनवाने का चलन काफी बढ़ गया है। ऐसे में आपको बच्चे का पढ़ाई से जुड़ा सामान रखते समय वास्तु का खास ख्याल रखना चाहिए। हर पैरेंट चाहता है कि वह अपने बच्चे को हर तरह की सुख-सुविधाएं मुहैया करवाए। इसलिए, अब लोग बच्चों के लिए अलग से स्टडी रूम बनवाने लगे हैं। जिसमें बच्चे आराम से बैठकर पढ़ सकें और अपना सभी जरूरी सामान वहां रख सकें। हालंकि, हर पैरेंट के लिए ऐसा कर पाना संभव नहीं होता है। कई बार ऐसा भी होता है कि घर में बच्चे का अलग से कमरा या फिर स्टडी रूम नहीं होता है।

इस स्थिति में बच्चे अपना स्टडी से जुड़ा सामान कहीं पर भी इधर-उधर रख देते हैं। हालांकि, वास्तु के अनुसार इसे बिल्कुल भी उचित नहीं माना जाता है। भले ही बच्चे के पास अलग से स्टडी रूम नहीं है, फिर भी उसे अपना सामान सही तरह से रखना चाहिए, जिससे वह पढ़ाई में आगे निकल सके। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको बता रहे हैं कि स्टडी रूम ना होने की स्थिति में बच्चे का सामान घर में किस तरह रखना चाहिए-

यूं रखें बच्चे के खिलौने

बच्चे कई तरह के कॉम्पीटिशन में भाग लेते हैं और मेडल भी जीतते हैं। ऐसे में आप उन मेडल्स को उन्हीं के कमरे में उत्तर दिशा में छोटी सी अलमारी में रख सकते हैं। अगर कमरे में स्पेस कम है तो इसे दीवार पर लगे हुक में भी टांगा जा सकता है।

कमरे में ना हो ये चीजें

अगर आप बच्चे के बेडरूम को भी स्टडी रूम की तरह इस्तेमाल कर रही हैं तो आपको कुछ चीजों को वहां पर रखने से बचना (टाइल्स के वास्तु टिप्स) चाहिए। कोशिश करें कि बच्चे के कमरे में जूते.चप्पल या फिर झाड़ू आदि ना हो। इससे बच्चे की पढ़ाई पर नेगेटिव असर पड़ता है। साथ ही, बच्चा जिस बेड पर सोता है, उसका ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। कभी भी बच्चे के बेड पर ऐसी बेडशीट ना बिछाएं, जिसमें हिसंक पशु-पक्षी की तस्वीर हो।

यूं रखें पुरानी किताबें

हर बच्चे के पास कुछ पुरानी किताबें होती ही हैं, जो पिछली क्लॉस की होती हैं। बच्चे को कभी-कभी उन किताबों की जरूरत (घर में होने वाले झगड़े के वास्तु टिप्स) पड़ती है। ऐसे में आप उन पुरानी किताबों को बच्चे के कमरे में पश्चिम या दक्षिण दिशा में रखी अलमारी में ही रखना चाहिए।

यूं रखें बैग

जब बच्चे का अलग से स्टडी रूम नहीं होता है तो वे अपने बैग को कहीं पर भी रख देते हैं। चूंकि बैग का सीधा संबंध पढ़ाई से है।

चंडीगढ़ सिंग्स ने 4 विकेट से आसान जीत दर्ज की

रायपुर। 16 वीं सिक्ख लीग प्रीमियर टूर्नामेंट में सिंह ए पंजाब पटियाला को शुक्रवार को खेले गए मैच में शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन रायपुर की टीम ने 20 रनों से मात दी। रायपुर टीम के सनप्रीत बग्गा को 28 रन बनाने व 2 विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार प्रदान किया गया। दूसरे मैच में खालसा वॉरियर्स नांदेड़ पर चंडीगढ़ सिंग्स ने 4 विकेट से आसान जीत दर्ज की।

आयोजन समिति की ओर से जानकारी देते हुए मुखी त्रिलोचन सिंह काले ने बताया कि पहले खेलते हुए शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन रायपुर की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 156 रन बनाये। ओपनर राजबीर सिंह ने फिर आज अच्छी पारी खेली 39 गेंद में शानदार 55 रन बनाये जिसमें 5 चौके व 2 छक्के शामिल रहे। इसके बाद किवनूर 51 रन (37 गेंद) व सनप्रीत बग्गा ने 28 रन (11 गेंद) का सराहनीय योगदान दिया। इंदरप्रीत ने 2 व गोविंद सिंह ने 1 विकेट हासिल किया। सिंग ए पंजाब पटियाला की शुरुआत तो ठीक रही जब ओपनर करमजीत ने 21 रन (25 गेंद) व इंदरप्रीत ने 14 रन(6 गेंद) की पारी खेली। इसके बाद प्रभजोत ने 27 रन, गुरप्रीत ने 25 व सोनू सुदार ने 12 रन बनाये लेकिन 9 विकेट खोकर 20 ओवर में वे 136 रन से आगे नहीं बढ़ पाये और 20 रनों से मैच खो दिया। गुरजोत सिंह ने 3, सनप्रीत व रणदीप ने 2-2 विकेट लिए। सनप्रीत बग्गा मैन ऑफ द मैच रहे। इस मैच के अतिथि इंदरजीत सिंह सलूजा, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया छत्तीसगढ़ के जोनल हेड बी आर रामा कृष्णा नायक व आर जे अनिमेष थे।

- शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन ने सिंह ए पंजाब पटियाला को 20 रन से हराया

दूसरे मैच में खालसा वॉरियर्स नांदेड़ पर चंडीगढ़ सिंग्स ने 4 विकेट से आसान जीत दर्ज की। चंडीगढ़ सिंग्स ने केवल 12 ओवर में जीत के लिए आवश्यक रन बना लिए। हालांकि उन्हें 6 विकेट खोना पड़ा। पहले बैटिंग करते हुए खालसा वॉरियर्स की टीम बड़ी मुश्किल से 90 रन (20 ओवर) बना पाई इसलिए कि यदि सरदार सुकपाल के 36 रन को हटा दें तो हर कोई 4-6 रन बनाकर ही पैवेलियन लौट गए। पहले व दूसरे ओवर में दो बल्लेबाज शून्य पर आउट हो गए। एक अन्य बल्लेबाज रहे जपिंदर सिंग जिन्होने 10 रन बनाये। चंडीगढ़ की ओर से जबनप्रीत सिंह ने 18 रन देकर 3 और हरजिंदर ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। संभलकर बल्लेबाजी करते हुए चंडीगढ़ सिंग्स ने 6 विकेट खोकर 12 ओवर में 93 रन बनाकर यह मैच जीत लिया। पुनित व श्रेष्ठजोत सिंह ने 17-17 रन बनाये। नांदेड़ की ओर से गुरप्रीत ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। चंडीगढ़ के जबनप्रीत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आज के दूसरे मैच के अतिथि प्रीतपाल सिंह होरा, बलदेव सिंह, हरकिशन सिंह राजपूत, गुरुमुख सिंह चीमा, सीआरपीएफ के अजय कुमार सिंह व दिलेर सिंह रंधावा थे।

वजन कम करने में फायेदमंद हैं योगासन

अगर आपका वजन भी बढ़ रहा है, तो ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कुछ योगासन की मदद लें। दरअसल, इन योगासन को करके आप अपने बढ़ते वजन को कंट्रोल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

धनुरासन: आपका वजन बढ़ रहा है, तो आप धनुरासन का अभ्यास कर सकते हैं। बैली फैट को कम करने में ये काफी असरदार माना जाता है। इसके अलावा हाथ और पैरों की चर्बी कम करने के लिए भी आप इस योगासन को कर सकते हैं।

अधोमुख श्वासन: इस अधोमुख श्वासन को करके बैलेंस बनने के साथ शरीर में मजबूती आती है। पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस योगासन को सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। वहीं, सबसे खात बात ये कि लोअर बॉडी फैट को कम करने के लिए ये योगासन बेहतर विकल्प हो सकता है।

चतुरंग दंडासन: अगर आपके पेट की चर्बी बढ़ गई है, तो फिर आप आज से ही चतुरंग दंडासन का अभ्यास करना शुरू कर सकते हैं। आप अगर इस योगासन को नियमित रूप से करते हैं, तो शरीर के निचेल भाग के बढ़े वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

वीरभद्रासन: अगर आप अपना वजन कम करके खुद को स्लिम फिट करना चाहते हैं, तो फिर आप वीरभद्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग करने के लिए भी ये योगासन काफी सही और उपयोगी माना जाता है। इसलिए अगर आपका वजन बढ़ रहा है, तो आप इसे कर सकते हैं।

कार्नर न्यूज

अपनी सेहत को दुरुस्त रखने डाइट में शामिल करें ये अनाज, दिखने लगेगा बदलाव

अब गेहूं और चावल ही नहीं, वैकल्पिक अनाज भी बन रहे हैं तंदुरुस्ती का सबब, इन्हें जरूर अपनाएं

गेहूं की रोटियां तो घर भारतीय घर में खाई जाती हैं। लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे अनाज हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इन अनाजों को डाइट में शामिल कर आप कई लाभ पा सकती हैं। हेल्दी रहने के लिए आजकल लोग फैंसी डाइट ट्रेंड्स को फॉलो करने लगे हैं। लेकिन असल में सेहतमंद रहने का राज खान-पान की पुरानी पध्दति में भी छिपा है। अनाज हमारी डाइट का अहम हिस्सा है और शरीर को ताकत देने के साथ बॉडी की न्यूट्रिशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए कई अनाज हमारे के लिए जरूरी हैं। गेहूं की रोटियां तो घर भारतीय घर में खाई जाती हैं। लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे अनाज हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इन अनाजों को डाइट में शामिल कर आप कई लाभ पा सकती हैं।

हेल्दी रहने में मदद करेगा राजगिरा का आटा

राजगिरा या अमरनाथ का आटा भी सेहत के लिए अच्छा होता है। आपको इसे 2024 में डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह आटा मोटापा कम करने, डायबिटीज कंट्रोल करने समेत कई चीजों में फायदेमंद होता है। इसमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, आयरन, फाइबर, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन ई समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइबर की मात्रा सबसे अधिक होती है। जिस वजह से यह कब्ज के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इसमें कार्ब्स की भी अच्छी मात्रा होती है। इसे नाश्ते में शामिल करना आपके लिए बेस्ट रहेगा। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी और दिन की शुरुआत के लिए यह बेस्ट है।

सेहतमंद रहने के लिए खाएं जौ

जौ सेहत के लिए अच्छा होता है। इसकी गिनती मोटे अनाजों में की जाती है। यह विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है। जिसकी वजह से शुगर पेशेंट्स के लिए इसे बहुत अच्छा माना जाता है। यह डाइजेशन के लिए बहुत अच्छा होता है और इसमें फाइबर की अधिकता के कारण, यह वेट लॉस के लिए अच्छा ऑप्शन है। इसे डाइट में शामिल कर आप सेहत से जुड़े लाभ पाने के साथ आसानी से वजन कम कर सकती हैं। यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को मैनेज करने में मदद करता है और दिल की सेहत के लिए अच्छा होता है।

गुणों से भरपूर है कुट्टू का आटा

कुट्टू के आटे को आमतौर पर भारतीय घरों में व्रत के खाने में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे नॉर्मल डाइट में शामिल करना भी सेहत के लिए काफी अच्छा रहेगा। यह एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और भी कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

जरूर खाएं दलिया

दलिया भी गुणों से भरपूर होता है और इसे डाइट में शामिल करने से कई लाभ मिल सकते हैं। यह एक पौष्टिक आहार होता है, जो टूटे हुए अनाज से मिलकर बना होता है। दलिये में गेहूं, चावल, मकई और बाजरा सभी शामिल हैं। डायबिटीज को कंट्रोल करने, वजन को कम करने, डाइजेशन को सुधारने समेत कई चीजों में दलिया फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस की अच्छी मात्रा होती है और यह कब्ज दूर करने में भी मदद करता है। यह एक पूरा आहार है, इसे आप दूध के साथ या फिर सब्जियां डालकर नमकीन बनाकर भी खा सकती हैं।

डाइट में जरूर शामिल करें कीनुआ

कीनुआ भले ही भारत के पारंपरिक अनाजों में से नहीं है, लेकिन इसके गुणों की वजह से यह अब भारत में भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सेंसर बोर्ड ने ओपेनहाइमर की गलती से ली सीख, ग्रांट की हेरिटिक को लेकर ये फैसला

जब सिनेमा में धार्मिक देवताओं के चित्रण की बात आती है तो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड बेहद सतर्क रहता है। हाल ही में सीबीएफसी ने ह्यू ग्रांट की आगामी हॉलीवुड मनोवैज्ञानिक हॉरर फिल्म 'हेरिटिक' को ए सर्टिफिकेट दिया है। हालांकि, सीबीएफसी ने फिल्म में दो कट लगाने के भी आदेश दिए हैं। इसमें हिंदू देवता भगवान कृष्ण के बारे में अनुचित जानकारी वाले सीन को हटाने का आदेश शामिल है। 'हेरिटिक' में भगवान कृष्ण से जुड़े सात सेकंड के डायलॉग और सीन दोनों को सेंसर कर दिया गया है। मिस्टर रीड (ह्यू ग्रांट) को धार्मिक किताबें फेंकते हुए दिखाने वाले आठ सेकंड के सीन को भी हटाने का आदेश है।

अनिवार्य कटौती के बाद 'हेरिटिक' को 27 नवंबर को सीबीएफसी द्वारा 'ए' प्रमाणपत्र दिया गया था। इंडस्ट्री से जुड़े एक एक्सपर्ट ने इन कटौतियों पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'जब धार्मिक शख्सियतों और देवताओं के बारे में किसी सीन की बात आती है तो सीबीएफसी सतर्क रहता है, खासकर ओपेनहाइमर (2023) प्रकरण के बाद।' क्रिस्टोफर नोलन द्वारा निर्देशित फिल्म में एक विवादास्पद दृश्य में भगवद गीता को दिखाया गया था और जब इसे सीबीएफसी द्वारा पारित किया गया तो इसकी व्यापक आलोचना हुई थी। 'पुष्पा 2: द रूल; की बॉक्स ऑफिस सफलता के बावजूद, दो हॉलीवुड फिल्में अपनी आगामी रिलीज के लिए स्क्रीन पाने में कामयाब रही हैं। एक है एनिमेटेड 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द वॉर ऑफ द रोहिरिम 'और दूसरी है 'हेरिटिक'।

टॉलीवुड

इस मामले में मोहन बाबू ने मांगी माफी, पेश की सफाई

अभिनेता मोहन बाबू इन दिनों अपने घर के संपत्ति विवाद को लेकर सुर्खियों में हीं। इस बीच अभिनेता ने अपने हैदराबाद स्थित आवास पर बीते मंगलवार को एक मीडियाकर्मी पर हमला किया। इसे लेकर मोहन बाबू के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पत्रकार पर हमले के बाद मोहन बाबू ने माफी मांगी है। उन्होंने इस संदर्भ में सफाई पेश की है। मोहन बाबू ने अपनी गलती मानते पत्रकार पर हमले की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और खेद जताया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों के चलते उन्हें जवाब देने में देरी हुई। उन्होंने इस मामले में सभी से धैर्य रखने को कहा है। मोहन बाबू ने गुरुवार 12 दिसंबर को सफाई देते हुए कि कुछ असामाजिक तत्व जबरन उनके घर में घुस आए, जिससे स्थिति बहुत तनावपूर्ण हो गई और वे आपा खो बैठे। उन्होंने पत्रकार को आईं चोट के लिए माफी मांगी। मंचू परिवार का झगडा मीडिया की सुर्खियों में है। अपने घरेलू विवाद के बीच बीते दिनों मोहन बाबू ने पत्रकार रंजीत कुमार के साथ अभद्रता की। विवाद के बारे में पूछे जाने पर मोहन बाबू ने पत्रकार का माइक छीन लिया और अभद्रता करते हुए हमला किया। रंजीत कुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना में उन्हें तीन फ्रैक्चर हुए हैं। घटना के बाद मोहन बाबू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसे लेकर अब मोहन बाबू ने माफीनामा जारी किया। इस मामले पर बात करते हुए मोहन बाबू के बेटे विष्णु मांचू ने स्पष्ट किया कि यह घटना दुर्घटनावश हुई और अनजाने में हुई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे घायल पत्रकार रंजीत और उनके परिवार के संपर्क में हैं और उन्हें मदद प्रदान कर रहे हैं।

भोजपुरी

'बहू की विदाई' की शूटिंग पूरी, मेकर्स का दावा- नई ऊंचाइयां देगी यह फिल्म

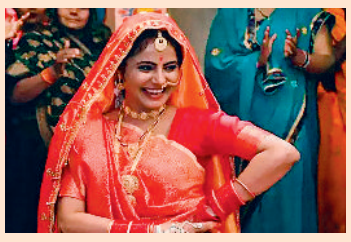

भोजपुरी फिल्म 'बहू की विदाई' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और मेकर्स का कहना है कि यह भोजपुरी सिनेमा को नई ऊंचाइयां देगी। इस फिल्म में रितेश उपाध्याय, प्रीति शुक्ला और देव सिंह हैं।भोजपुरी फिल्म 'बहू की विदाई' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म के मेकर्स का सपना है कि इसके जरिए भोजपुरी सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाए। इस फिल्म को अंशुमन सिंह फिल्म क्रिएशन और मैड्ज मूवी के बैनर तले किया जा रहा है। 'बहू की विदाई' की शूटिंग जौनपुर में की गई है। फिल्म के प्रोड्यूसर विनय सिंह और अंशुमन सिंह हैं, जबकि इसे राज किशोर प्रसाद राजू ने डायरेक्ट किया है। 'बहू की विदाई' के प्रोड्यूसर विनय सिंह और अंशुमन सिंह ने बताया कि फिल्म की कहानी पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक मुद्दों पर आधारित है, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के साथ-साथ मनोरंजन का भी अनुभव कराएगी। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, और उम्मीद है कि यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा को एक नई पहचान दिलाएगी। फिल्म को लेकर न केवल क्षेत्रीय सिनेमा, बल्कि दर्शकों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, श्रद्धा नवल, अमित शुक्ला, समर्थ चतुर्वेदी और अनीता रावत शामिल हैं। बाल कलाकार मिराया सहगल हैं। इन कलाकारों ने अपने किरदारों में जान डालने के लिए दिन-रात मेहनत की है।

फर का उजाला

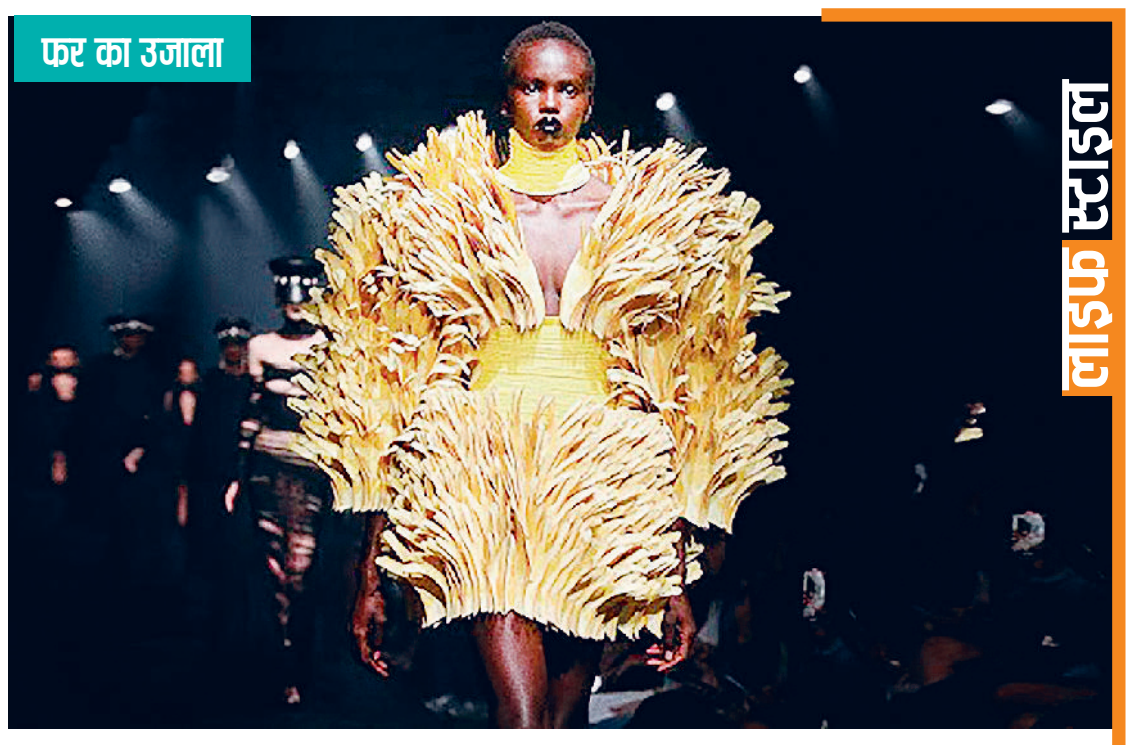

लाइफ स्टाइल

न्यूयार्क फैशन वीक में पिछले हफ्ते एरिया फॉल-विंटर 2024/25 में मॉडल्स ने एक से बढ़ कर एक कलेक्शन पेश किए। प्योत्रेक पांसजिक के डिजाइन किए गए फर वाले इस ड्रेस को अफ्रीकी मॉडल ने बेहद सलीके से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। इस कलेक्शन को खूब तारीफ मिली।

शॉल को एक ही तरह से पहनकर हो गए है बोर, तो ट्राई करें जरूरी हैक

सर्दियां शुरू हो गई हैं। ऐसे में हर कोई अलग-अलग तरीके के गर्म कपड़ों को स्टाइल करेगा। लेकिन इसके लिए आपको सही तरीका जानने की जरूरत है। सर्दियों में हर कोई गर्म कपड़े पहनता है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत आती है उन्हें अलग-अलग तरीके से स्टाइल करने में। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार तो हम कपड़ों को वैसे ही पहन लेते हैं जैसे हर बार स्टाइल करते हैं।

लेकिन जब बोर हो जाते हैं तो उसे सिर्फ अपनी वॉर्डरोब में ही रखा रहने देते हैं। शॉल के साथ अक्सर हम ऐसा ही करते हैं। इसकी वजह से वो दोबारा इस्तेमाल में नहीं आते हैं। इस बार आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे। जिसे ट्राई करके आप शॉल को अलग-अलग तरीके से वियर कर सकती हैं और सबसे अलग नजर आ सकती हैं।

बेल्ट के साथ स्टाइल करें शॉल

बेल्ट को स्टाइल करने का फैशन आजकल काफी ट्रेंड में है। हर किसी को आउटफिट के साथ बेल्ट स्टाइल करना काफी पसंद भी है। इस बार आपको इसे साड़ी के साथ नहीं बल्कि शॉल को स्टाइल करने के लिए पहननी होगी। जिससे आपको ठंड भी न लगे साथ ही आपका लुक स्टाइलिश लगे। इसके लिए आपको सबसे पहले शॉल के दोनों सिरों को गले से आगे की तरफ डालना है। फिर इसमें कमर पर बेल्ट लगानी है। इस तरीके से आप इसे वियर कर सकती हैं। इसे आप चाहे तो कुर्ते के ऊपर स्टाइल करें वरना जींस टॉप के साथ भी ये काफी अच्छे लगते हैं।

श्रग स्टाइल में करें वियर

अगर आपने टॉप की जगह हाईनेक पहनी है और वो प्लेन है तो इसके साथ आप प्रिंटेड शॉल को श्रग की तरह स्टाइल (स्टाइल आउटफिट टिप्स) कर सकती हैं। इसे पहनने के लिए आपको पहले शॉल को तिकोना फोल्ड करना है। अब इसे पीछे नेक से आगे की तरफ लेना है। फिर इसके एक सिरे को कंधे पर पिन करना है। दूसरी तरफ को भी ऐसे ही करना है। इस तरीके से आपका शॉल वाला श्रग बनकर तैयार हो जाएगा।

दुल्हन के हाथों में खूब जचेंगी ये ज्वेलरी मेहंदी डिजाइन

दुल्हन के हाथों में भरे हुए और बारीक डिजाइन बेहद प्यारे लगते हैं। इंटरनेट में आपको ब्राइड के लिए कई सारे डिजाइन मिल जाएंगे। ये मेहंदी डिजाइन बनाने में भी सिंपल है और दुल्हन के हाथों में जचेंगी भी बहुत। आजकल लोग ज्यादा भरे हुए मेहंदी लगवाना पसंद नहीं करते हैं, उनके लिए ये डिजाइन परफेक्ट है। लंबी और गोरी हाथों में ये डिजाइन बहुत प्यारी लगेगी।

ब्राइड और ब्राइड्समेड दोनों ही इस डिजाइन को लगा सकते रहैं। उंगलियों में बारीक डिजाइन के साथ-साथ कलाई पर बने ये डिजाइन बनाने में भी आसान है, साथ ही रचने के बाद भी खूब जचेंगी। इस डिजाइन को बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता और हाथों की खूबसूरती भी बढ़ती है।

कलाई, हाथ के बैक साइड और उंगलियों में लगे ये खूबसूरत डिजाइन आपके हाथों की शोभा को बढ़ाएगी। हैवी और बारीक होने के साथ-साथ ये मेहंदी डिजाइन हाथों की बैक साइड के लिए परफेक्ट है। चौड़ी और भरी हुई हथेली में मेहंदी की यह डिजाइन खूब जचेंगी।

हाथों में सिंपल और बारीक मेहंदी के ये डिजाइन खूब जचेंगे। आजकल बारीक और सिंपल मेहंदी डिजाइन बहुत ट्रेंड कर रहा है। ये डिजाइन ब्राइड मेड्स और वर्किंग वुमन दोनों के लिए बेस्ट है। बनाने में भी ज्यादा वक्त नहीं लगेगा और हाथों में भी खूब जचेंगी।

हाथों की बैक साइड में मेहंदी की ये डिजाइन बहुत प्यारी और खूबसूरत लगने वाली है। बैक साइड में लगी मेहंदी हथेली के मुकाबले ज्यादा देखी जाती है, इसलिए आप इस डिजाइन को बैक हैंड के लिए पिक कर सकती हैं। ये ज्यादा हैवी भी नहीं है और मिनिमल लुक के साथ हाथों की खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।

'ग्रूम्ड मेन' का टाइटल पाने बदलिए लाइफस्टाइल

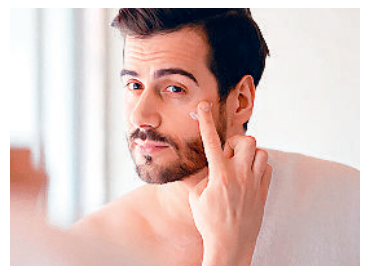

'ग्रूम्ड मेन' कौन नहीं कहलाना चाहेगा? आप भी ऐसा चाहते ही होंगे। पर इसके लिए आपने किया क्या है? अच्छे से तैयार हो जाते हैं? बस...अगर हां तो कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बिना आप 'ग्रूम्ड मेन' वाले रास्ते पर बिल्कुल नहीं चल रहे हैं। ऐसा करने के लिए आपको कुछ खास बातें अपनी लाइफस्टाइल में शामिल करनी होंगी।

टाइम पर हेयर कट

ज्यादातर पुरुष जब समय मिलता है या फिर जब बालों से दिक्कत होने लगे तब ही बाल कटाने जाते हैं। लेकिन बालों के बढ़ते ही फिर वही रूटीन कि 'ज्यादा बढ़ेंगे तब कटा लेंगे।'ये आदत गलत है। हर पुरुष के ग्रूम्ड लुक के लिए सही समय पर हेयर कट जरूरी है। और ये नियम फिक्स होना चाहिए। आपको फिक्स अपॉइंटमेंट पर हर कुछ दिन में हेयर कट करा ही लेना चाहिए।

आपकी वाली खुशबू

आप पूरी तरह से तैयार हैं और आपसे एक खास तरह की खुशबू भी आ रही है तो आप ग्रूम्ड मेन वाले खांचे में आसानी से फिट बैठ पाएंगे।

इसके लिए आपको अपनी एक खास खुशबू चुननी होगी। आप एक या दो क्लासिक खुशबू चुन सकते हैं। आमतौर पर वुडी, स्पाइसी और हर्बी ब्लेंड जाड़े में अच्छे से काम करता है।

दांतों का रखिए ध्यान

जैसे आपकी आंखें, आपके दिल का हाल कह देती हैं, ठीक वैसे ही आपके दांत भी आपके कैरेक्टर को बयां कर देते हैं। अपनी ग्रूमिंग करने हुए दांत की सफाई में आप कितना समय देते हैं? ज्यादातर लोग कहेंगे कि रूटीन वाली सफाई करते ही हैं। लेकिन दांत अच्छे से साफ करने के लिए आपको इनका ज्यादा ध्यान रखना होगा। रिसर्च कहती हैं इलेक्ट्रिक ब्रश 11 प्रतिशत ज्यादा सफाई करते हैं।

सर्दियों में रखें स्किन का खास ध्यान वर्ना बेजान हो जाएगी आपकी त्वचा

सर्दियों के मौसम की शुरुआत होने के साथ-साथ अब ये साल अपने अंत के करीब है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि दिसंबर के महीने की शुरुआत से ही और भी ज्यादा कड़ाके की ठंडी पड़ने वाली है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना भी जताई जा रही है।

ऐसे में ज्यादातर लोग साल के अंत में अपने परिवार से साथ घूमने का प्लान बनाते हैं। सर्दियों में मौसम में अच्छा होता है और बच्चों के स्कूल की छुट्टियां भी हो जाती हैं। इसके साथ जो लोग कामकाजी हैं, वो भी अपनी सालभर की बची हुई छुट्टियों का इस्तेमाल दिसंबर के महीने में ही करते हैं। अगर आप भी कहीं ऐसी जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, जहां काफी सर्दी होती है तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, ठंड वाली जगहों पर जाने के लिए आपको अपनी त्वचा का ध्यान रखने की काफी ज्यादा जरूरत होती है। आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं, अगर आप ठंडी जगह घूमने जा रहे तो इन तरीकों को अपनाकर अपनी त्वचा का खास ध्यान रख सकते हैं।

हाइड्रेशन का रखें खास ध्यान

अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने जा रहे हैं, जहां पर काफी ज्यादा सर्दी पड़ती है, तो वहां अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। ऐसे में पानी का सेवन कम ना करें। ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी, हर्बल चाय, सूप आदि चीजों का सेवन करें। इनके सेवन से आपकी त्वचा अंदर से ग्लो करेगी।

कार्नर न्यूज

अपनी लव लाइफ को बेहतर बनाने अपनाएं जरूरी टिप्स

दुबले हैं तो दिक्कत नहीं, इन ड्रेसिंग टिप्स का रखेंगे ध्यान तो मिल जाएगा बेस्ट लुक

दुबलापन आपके लुक को इतना बिगाड़ देता है कि लड़कियां एक नजर भी नहीं देखती हैं तो आपको अपनी ड्रेसिंग में सुधार कर लेना चाहिए। ड्रेसिंग ऐसी होनी चाहिए कि आपका दुबलापन तो छुप ही जाए, आप स्मार्ट भी खूब दिखें। इसके लिए आपको खास ड्रेसिंग टिप्स अजमाने होंगे। इन टिप्स के साथ आप बेहद दुबले होने पर भी बेस्ट लुक पा सकेंगे। लुक बेस्ट होगा तो लव लाइफ भी आगे बढ़ेगी। कैसे होगा ये जानते हैं- स्किनी जींस को कहिए नो दुबले पुरुष अगर स्किनी जींस पहनते हैं तो ये ड्रेसिंग से जुड़ी उनकी सबसे बड़ी गलती होती है। अगर आप दुबले हैं तो स्किनी नहीं बल्कि स्लिम फिट जींस ही पहनें स्लिम फिट जींस से थाई के आसपास थोड़ा चौड़ाई महसूस होती है। स्किनी जींस के साथ बैगी जींस भी न पहनना ही सही निर्णय होता है।

चुनें फुल स्लीव शर्ट

दुबलापन आपका लुक खराब किए देता है तो बहुत अच्छा होगा कि आप शर्ट हमेशा फुल स्लीव वाली ही पहनें। पूरी बांह के साथ आपके दुबले हाथ छुप जाते हैं। आप अपने लुक में बेस्ट दिख पाते हैं क्योंकि आपके सीक जैसे हाथ शर्ट की बांह में छुप जाते हैं। अगर आप फुल शर्ट नहीं पहनना चाहते हैं तो ध्यान रहे कि हाफ शर्ट की बांह हाथों के आसपास फिटेड हो।

अपर बॉडी आउटफिट ज्यादा जरूरी

अपने दुबलेपन के चलते आप अक्सर अपने लुक को लेकर परेशान रहते हैं अपर बॉडी ऑउटफिट बहुत सोच समझकर ही खरीदें। जैसे शर्ट न बहुत टाइट हो न बहुत ढीली। सीने पर तो ये बिल्कुल भी टाइट नहीं होनी चाहिए। साथ ही ये कंधों पर बिल्कुल परफेक्ट फिट होनी चाहिए।

लेयर वाले कपड़े

बहुत दुबले पुरुषों को लेयरिंग वाले कपड़े पहनने चाहिए। इनके साथ दुबलापन काफी हद तक छुप जाता है। बस लेयरिंग करते हुए रंगों के कॉम्बिनेशन और पैटर्न का ध्यान रखें।

गर्मी और सर्दी

गर्मी और सर्दी के समय कपड़ों के फैब्रिक का भी ध्यान रखें। जैसे गर्मी के दिनों में आप डेनिम, फ्लानेल जैसे फैब्रिक के जैकेट चुनिए तो विंटर में बॉम्बर या पफर जैकेट भी ली जा सकती है।